उपराष्ट्रपति कुरुक्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2024 में सम्मिलित होंगे

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोकशक्ति

RNI Regn. No.7789/1964

अर्थव्यवस्था मजबूत: नवंबर में मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 56.5 पर पहुंचा

वर्ष-60 › अंक -341 | रायपुर | शनिवार 7 दिसंबर 2024 विक्रम संवत 2081 | पृष्ठ 8 › मूल्य : 2 रू | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

अष्टलक्ष्मी महोत्सव का उद्घाटन, कहा-

पूर्वोत्तर का सामर्थ्य देखेगी दुनिया : पीएम मोदी

नई दिल्ली. एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दिल्ली के भारत मंडपम में तीन दिवसीय अष्टलक्ष्मी महोत्सव का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली आज पूर्वोत्तर मय हो गई है। पूर्वोत्तर के विविध रंग राष्ट्रीय राजधानी में एक सुंदर इंद्रधनुष बना रहे हैं। पहले अष्टलक्ष्मी महोत्सव में तीन दिन तक पूर्वोत्तर का सामर्थ्य पूरा देश और विश्व देखेगा। यहां व्यापार-कारोबार से जुड़े समझौते होंगे। पूर्वोत्तर के उत्पादों से दुनिया परिचित होगी। यह पहला और अनोखा आयोजन है। इसमें बड़े स्तर पर पूर्वोत्तर में निवेश के द्वार खुल रहे हैं। यह पूर्वोत्तर के साथ ही दुनिया भर के निवेशकों के लिए बेहतरीन अवसर है। मैं अष्टलक्ष्मी महोत्सव के आयोजकों को, पूर्वोत्तर के सभी राज्यों के निवासियों को और यहां आए सभी निवेशकों और अतिथियों को बधाई देता हूं।

पीएम मोदी ने कहा कि बीते 100-200 साल में हमने पश्चिम की दुनिया का एक उभार देखा। आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक हर स्तर पर दुनिया में पश्चिमी क्षेत्र की छाप रही। भारत में भी पश्चिमी क्षेत्र ने देश की विकास यात्रा में बड़ी भूमिका निभाई है। अब कहा जाता है कि 21वीं सदी पूर्व की है। एशिया की है और भारत की है। ऐसे में मुझे विश्वास है कि भारत में भी आने वाला समय पूर्वी भारत का है। बीते दशकों में हमने बंगलूरू, मुंबई, हैदराबाद, अहमदाबाद, दिल्ली, चेन्नई जैसे बड़े शहरों को उभरते देखा है। आने वाले दशकों में हम अगरतला, गुवाहाटी, गंगटोक, आइजोल, शिलांग, ईटानगर, कोहिमा जैसे शहरों का नया सामर्थ्य देखने वाले हैं। इसमें अष्टलक्ष्मी जैसे आयोजनों की बहुत बड़ी भूमिका होगी।

पीएम ने कहा कि अष्टलक्ष्मी महोत्सव पूर्वोत्तर के बेहतर भविष्य का उत्सव है। ये विकास के नूतन सूर्योदय का उत्सव है, जो विकसित भारत के मिशन को गति देने वाला है। असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, त्रिपुरा और सिक्किम पूर्वोत्तर के आठों राज्यों में अष्टलक्ष्मी के दर्शन होते हैं। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर भारत में प्राकृतिक संसाधन प्रचुर मात्रा में हैं। पूर्वोत्तर में खनिज, तेल और जैव विविधता का अद्भुत संगम है। यहां अक्षय ऊर्जा की अपार संभावनाएं हैं। यह धनलक्ष्मी पूर्वोत्तर के लिए वरदान है। हमारा पूर्वोत्तर प्राकृतिक खेती और बाजरे के लिए प्रसिद्ध है। हमें गर्व है कि सिक्किम पहला जैविक खेती करने वाला राज्य है।

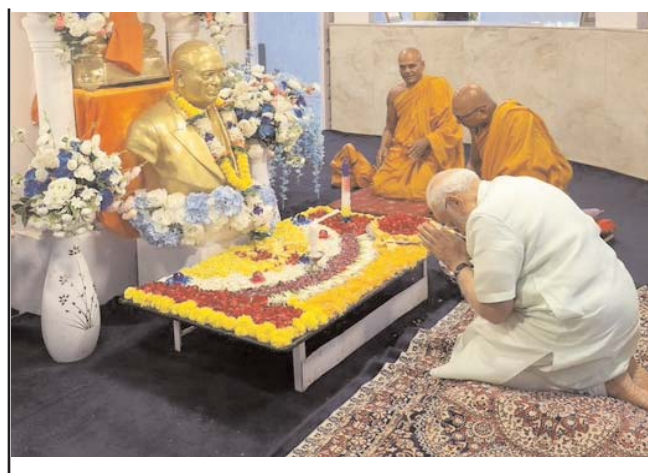

प्रधानमंत्री मोदी ने डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर को उनके महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की

एजेंसी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर को उनके महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने कहा कि समानता और मानवीय गरिमा के लिए डॉ. अंबेडकर का अथक संघर्ष पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

प्रधानमंत्री ने एक एक्स पोस्ट में कहा; महापरिनिर्वाण दिवस पर, हमारे संविधान निर्माता और सामाजिक न्याय के प्रतीक डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर को हम नमन करते हैं। समानता और मानवीय गरिमा के लिए डॉ. अंबेडकर का अथक संघर्ष पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। आज, जब हम उनके योगदान को याद करते हैं, तो हम उनके सपने को पूरा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराते हैं। इस वर्ष की शुरुआत में मुंबई में चैत्य भूमि की अपनी यात्रा की एक तस्वीर भी साझा कर रहा हूँ। जय भीम!

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जेपी नड्डा हरियाणा के पंचकूला में 100 दिवसीय गहन अभियान का शुभारंभ करेंगे

एजेंसी। टीबी मामलों का पता लगाने, निदान में तेजी लाने और उपचार के परिणामों में सुधार लाने के लिए यह पहल 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 347 जिलों में लागू की जाएगी भारत में तपेदिक यानी टयूबबरकलोसिस (टीबी) उन्मूलन की दिशा में एक निर्णायक पहल के रूप में, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय प्रमुख हितधारकों के साथ मिलकर 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान शुरू करने जा रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी और राज्?य की स्वास्थ्य मंत्री श्रीमती आरती सिंह राव की उपस्थिति में हरियाणा के पंचकूला से 7 सितंबर, 2024 को इस सघन अभियान की शुरुआत करेंगे।

राज्यसभा में सीट नंबर 222 से मिली 500 रुपये के नोटों की गड्डी, सदन में हंगामा

मामले में जांच के आदेश दिए गए : राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी को आवंटित है सीट

नई दिल्ली. एजेंसी।

राज्यसभा में शुक्रवार को चेकिंग के दौरान 500 रुपये के नोटों का बंडल प्राप्त हुआ. यह जानकारी राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सदन को दी. सभापति ने बताया कि गुरुवार को सदन की कार्रवाई स्थगित होने के बाद एंटी सबोटाज की टीम सदन में रूटीन चेकिंग पर थी. इसी दौरान चेकिंग कर रही टीम को 500 रुपये के नोटों का बंडल मिला. सभापति ने बताया कि यह बंडल सीट नंबर 222 से प्राप्त हुआ. सभापति के मुताबिक यह सीट राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी को आवंटित है.

सभापति के मुताबिक अभी तक इन नोटों की दावेदारी किसी भी सदस्य द्वारा नहीं की गई है. मामले में जांच के आदेश दिए गए हैं. सभापति ने बताया कि यह मामला उनके नोटिस में लाया गया, इसके बाद उन्होंने सुनिश्चित किया कि तय नियमों के तहत इस पूरे मामले की जांच हो और जांच शुरू भी हो गई है.

सभापति ने कहा कि उन्होंने सोचा था कि इन नोटों की दावेदारी के लिए कोई आएगा, लेकिन शुक्रवार सुबह तक कोई नहीं आया. अभी यह भी नहीं मालूम है कि यह नोट असली हैं या नकली. फ्लिहाल मामले की जांच चल रही है. सभापति ने इसे बेहद गंभीर मामला बताया और कहा कि किसी को भी इस मामले की जांच का विरोध नहीं करना चाहिए. इसके साथ ही सभापति ने यह भी बताया कि संबंधित सदस्य के इलेक्ट्रॉनिक रिकार्ड बताते हैं कि उन्होंने सदन में गुरुवार को अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी.

सभापति द्वारा यह जानकारी दिए जाने के बाद सदन में जमकर हंगामा हुआ. सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ओर के सांसद इस विषय पर बोलना चाहते थे. राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा कि उनका एक निवेदन है कि जब तक जांच पूरी नहीं होती, जब तक सच का पता नहीं लग जाता, तब तक किसी का नाम नहीं लेना चाहिए. खडगे के इस बयान पर सत्ता पक्ष ने जबरदस्त एतराज किया और हंगामा करने लगे.

सत्ता पक्ष की ओर से बोलते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि यह घटना बहुत ही असाधारण व गंभीर है. यह सदन की गरिमा पर एक चोट है. सत्ता पक्ष का कहना था कि विभिन्न आरोपों के आधार पर विपक्ष सदन में अपने मुद्दे उठाता है और कई बार सदन की कार्यवाही भी नहीं चलने देता. ऐसे में विपक्ष अब दोहरे मापदंड कैसे अपना सकता है. उन्होंने कहा कि इस मामले की सभी को निंदा करनी चाहिए.

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे में हुआ भीषण हादसा, बस पलटने से 8 की मौत, 19 घायल गंभीर

कन्नौज. लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर एक बार फिर बड़ा हादसा हो गया है. आगरा की तरफ जा रही डबल डेकर बस अचानक से पलट गई. इस घटना में 8 लोगों की मौत की खबर सामने आ रही है. वहीं 19 से ज्यादा लोग घायल हैं. यह हादसा कन्नौज के पास औरैया बॉर्डर पर हुआ है. घायलों को सैफई मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया है.

बता दें कि डबल डेकर बस लखनऊ से आगरा की तरफ आ रही थी. कन्नौज के पास बस अचानक से बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई. इस दौरान बस अचानक से पलट गई और अंदर बैठे 8 यात्रियों की जान चली गई. 19 से ज्यादा यात्री बुरी तरह से घायल हैं. सभी यात्रियों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है.

केंद्र सरकार 50 प्रतिशत से ज्यादा का एमएसपी तय करने के साथ ही किसानों की उपज भी खरीदेगी - शिवराज सिंह

राज्यसभा में उपराष्ट्रपति ने शिवराज का किया नामकरण, नया नाम दिया किसानों के लाड़ले

किसानों को सब्सिडी के साथ पूरी खाद मिलेगा

लोकशक्ति

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज राज्य सभा में फसलों पर एमएसपी, किसानों की कर्जमाफी समेत कई विषयों पर सवालों के जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए किसानों को एमएसपी देने से इंकार कर दिया था, जबकि? प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार पिछले 10 वर्षों से एमएसपी में लगातार बढ़ोतरी कर रही है, वहीं श्री शिवराज सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार उपज एमएसपी पर खरीदती रहेगी। श्री चौहान ने कहा कि हमारी सरकार 50त्न से ज्यादा का एमएसपी तय करने के साथ ही किसानों से उपज भी खरीदेगी। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार किसानों को लाभकारी मूल्य देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि 2015 में इस मंत्रालय का नाम कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय रखा गया, इससे पहले किसान कल्याण का कोई संबंध ही नहीं था।

प्रोबा-3 मिशन को लेकर पीएसएलवी-सी59 ने भरी उड़ान

श्रीहरिकोटा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से पीएसएलवी-सी59 रॉकेट लॉन्च किया। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के प्रोबा-3 मिशन को लेकर इसने शाम 4.04 बजे उड़ान भरी। इसरो इस मिशन को बुधवार की शाम 4 बजकर 8 मिनट पर लॉन्च करने वाला था, लेकिन प्रोपल्शन सिस्टम में आई खराबी के कारण इसकी लॉन्चिंग को एक दिन के लिए टाल दिया गया था।

1,778 करोड़ का आया है खर्च

प्रोबा-3, यूरोपीय स्पेस एजेंसी (ईएसओ) के प्रोबा सीरीज का तीसरा सोलर मिशन है। खास बात ये है कि प्रोबा सीरीज के पहले मिशन को भी इसरो ने ही 2001 में लॉन्च किया था। प्रोबा-3 मिशन के लिए स्पेन, बेल्जियम, पोलैंड, इटली और स्विट्जरलैंड की टीमों ने काम किया है। इस पर करीब 20 करोड़ यूरो (करीब 1,778 करोड़ रुपये) का खर्च आया है।

क्या है प्रोबा-3 मिशन?

प्रोबा-3 (प्रोजेक्ट फॉर ऑनबोर्ड आटोनॉमी) यान में एक डबल-सैटेलाइट शामिल है, जिसमें दो अंतरिक्ष यान सूर्य के बाहरी वायुमंडल के अध्ययन के लिए एक यान की तरह उड़ान भरेंगे। यह दुनिया में अपनी तरह का पहला लॉन्च बताया जा रहा है। इसरो ने कहा कि 'प्रोबास' एक लातिन शब्द है, जिसका अर्थ है 'चलो प्रयास करें'। इसरो ने कहा कि मिशन का उद्देश्य सटीक संरचना उड़ान का प्रदर्शन करना है और दो अंतरिक्ष यान - कोरोनाग्राफ और ऑकुल्टर को एकसाथ प्रक्षेपित किया जाएगा

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने की भारत के प्रगति की तारीफ, कहा-

दुनिया के लिए विकास का रोडमैप है मोदी मॉडल

नईदिल्ली,एजेंसी ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्लेटफॉर्म की जमकर तारीफ की है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के सैद बिजनेस स्कूल और बिल गेट्स फाउंडेशन ने इस केस स्टडी पर मिलकर काम किया है। इस नई स्टडी में बताया गया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में प्रगति ने कैसे डिजिटल गर्वनेंस को बढ़ावा दिया और सरकारी प्रोजेक्ट्स की रफ्तार को बढ़ाने के साथ समाधान में क्रांति ला दी है। यूनिवर्सिटी ने 7 चैप्टर्स में बंटे 54 पेजों की रिपोर्ट में साफ कहा है कि प्रगति ने भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं और सामाजिक क्षेत्र के बड़े प्रोजेक्ट्स के प्रबंधन के तरीके को बदल कर रख दिया है। प्रगति के कारण भारत में करीब 17.37 लाख करोड़ रुपये के 340 से ज्यादा परियोजनाओं को रफ्तार मिली है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने अपने अध्ययन में प्रगति को उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए आदर्श बताते हुए कहा है कि शासन में बदलाव के लिए दुनियाभर को इससे सीख लेनी चाहिए। यूनिवर्सिटी ने साफ कहा है कि पीएम मोदी का यह मॉडल दुनिया के लिए विकास का रोडमैप है।

पुलिस ने किसानों को दिल्ली कूच से रोका, शंभू बॉर्डर से पीछे हटे किसान

अंबाला: विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे किसानों को दिल्ली की ओर जाने से शंभू बॉर्डर पर रोक दिया गया है और अब किसान भी पीछे हट गए हैं। हालांकि किसानों का कहना है कि वे कल फिर बॉर्डर पर आकर प्रदर्शन करेंगे। इससे पहले प्रदर्शनकारी किसानों ने शंभू बॉर्डर पर पुलिस द्वारा लगाए गए कंटीले तारों को तोड़ दिया और बैरिकेड्स को हटा दिया। किसान दिल्ली जाने की जिद पर अड़े हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्वोत्तर के लिए बजट परिव्यय में एक दशक में 300 प्रतिशत की वृद्धि सुनिश्चित की : श्री सर्बानंद सोनोवाल

एजेंसी। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल ने पूर्वोत्तर की ऊर्जा को पुनर्जीवित, कायाकल्प और नवीनीकृत करने के लिए राजनीतिक रणनीति के भाग के रूप में सुशासन और विकासात्मक राजनीति के प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को श्रेय दिया। पूर्वोत्तर क्षेत्र के वरिष्ठ नेता श्री सोनोवाल ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि कैसे मोदी सरकार के शासन के परिवर्तनकारी दशक ने

पूर्वोत्तर भारत में एक नई ऊर्जा जाग्रत की है क्योंकि इसका उद्देश्य भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विकास के इंजन को शक्ति प्रदान करना है।प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की प्रमुख उपलब्धियों के संबंध में जानकारी देने के लिए आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा, ÷पूर्वोत्तर का खूबसूरत क्षेत्र प्रकृति द्वारा धन्य है, लेकिन एनडीए के सत्ता में आने से पूर्व तत्कालीन सरकारों द्वारा लंबी अवधि तक इसकी अनदेखी की गई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के गतिशील नेतृत्व में, इस क्षेत्र में पिछले एक दशक में एक बड़ा परिवर्तन आया है, जब सरकारों द्वारा निष्क्रियता, भ्रष्टाचार और अज्ञानता में फं सी दशकों की निष्क्रियता की तुलना की जाती है।

धर्म | अयोध्या में एक और सौगात

राम मंदिर का शिखर होगा स्वर्ण जड़ित : नृपेंद्र मिश्र

अयोध्या (संवाददाता)।

राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने गुरुवार को बताया कि मौजूदा समय में हमारा मुख्य उद्देश्य मंदिर निर्माण से जुड़े सभी कार्यों को संपन्न करना है। निर्माण कार्य में गति लाने के लिए श्रमिकों की संख्या में बढ़ोतरी की गई है।

उन्होंने कहा, वर्तमान में कार्य की प्रगति संतोषजनक है और समय सारणी के अनुसार चल रहा है। हाल ही में परिसर में होने वाले निर्माण कार्यों के संबंध में कुछ जानकारी साझा की गई है। जैसे कि मंदिर निर्माण का कार्य जो कि 15 मार्च तक पूरा होने की संभावना है, उसी के साथ सात अन्य छोटे मंदिरों का निर्माण भी पूरा किया जाएगा। वर्तमान में श्रमिकों की संख्या में थोड़ी वृद्धि हुई है। हालांकि, अभी भी अपेक्षाकृत जो संख्या है, वह थोड़ी कम है। लेकिन, इसमें गति लाने की पूरी कोशिश की जा रही है।

उन्होंने कहा, हमारी प्राथमिकता इस समय मंदिर निर्माण पर केंद्रित है, और उसके साथ-साथ अन्य सहायक कार्यों को भी शीघ्र पूरा किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, इसके अलावा, मंदिर के निचले हिस्से पर राम कथा का निर्माण कार्य भी शुरू हो चुका है। यह राम कथा पत्थरों पर उकेरी जाएगी और लगभग 500 फीट लंबी यह डिजाइन पूरी हो चुकी है। इसे जल्द ही स्थापित करने की तैयारी की जा रही है। इसके अलावा, अन्य सहायक संरचनाओं जैसे कि विद्युत, अग्नि, और सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का काम भी जारी है। इन सभी कार्यों को जनवरी के अंत तक ट्रस्ट को सौंपने का लक्ष्य है।

उन्होंने कहा, मंदिर की शिखर संरचना पर भी काम चल रहा है। यह शिखर स्वर्ण से आच्छादित होगा, लेकिन इसका जो सबसे ऊंचा बिंदु है, उसके नीचे करीब दस फीट तक स्वर्ण पट्टियां लगाई जाएंगी। यह कार्य इस समय जिले के दायरे में आता है, और ट्रस्ट का दायित्व इस काम को पूरी तरह से समाप्त करने का है।

उन्होंने कहा, ÷निर्माण कार्य की गति संतोषजनक है और हम उम्मीद करते हैं कि सभी कार्य समय पर पूरे होंगे, ताकि श्रद्धालु दुर्गा केंद्र और अन्य सहायक संरचनाओं का उपयोग जनवरी के अंत तक कर सकें।

मोदी राज में सेवा क्षेत्र में मजबूती कायम : सर्विस सेक्टर पीएमआई 58.4 पर, रोजगार में बढ़ोतरी

एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन कर रही है। अर्थव्यवस्था के लिए एक और अच्छी खबर यह है कि सेवा क्षेत्र की वृद्धि सर्वेक्षण के मुताबिक नवंबर महीने में सर्विस पीएमआई 58.4 पर रहा। एचएसबीसी के अनुसार नवंबर 2024 में पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) 58.4 दर्ज किया गया। नवंबर का आंकड़ा लगातार 40वें महीने 50 अंक से ऊपर रहा। यह आंकड़ा जुलाई 2021 के बाद से 50 से ऊपर है। 'परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स' (पीएमआई) का 50 से अधिक रहना गतिविधियों में विस्तार और इससे नीचे का आंकड़ा सुस्ती का संकेत है। नवंबर के दौरान, सेवा क्षेत्र में रोजगार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जो 2005 में इस सर्वेक्षण के शुरू होने के बाद से अब तक का सबसे तेज इजाफा है।

व्हाइट कोट सेरेमनी के अवसर पर नवप्रवेशित चिकित्सा छात्रों ने ली चिकित्सा आचार संहिता की शपथ

इस वृहद गौरवशाली आयोजन के साक्षी बने राज्यपाल श्री रमेन डेका

अधिष्ठाता डॉ. विवेक चौधरी ने दिलाई चिकित्सा आचार संहिता पर आधारित महर्षि चरक शपथ

रायपुर। पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर में एम. बी. बी. एस. प्रथम वर्ष में नव प्रवेशित विद्यार्थियों को चिकित्सा आचार संहिता की शपथ दिलाने के लिए ''व्हाइट कोट सेरेमनी'' का वृहद गौरवशाली आयोजन किया गया। इस शालीन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य के राज्यपाल श्री रमेन डेका की गरिमामयी उपस्थिति रही। पं. नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. विवेक चौधरी ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि एम. बी. बी. एस. प्रथम वर्ष के नवप्रवेशित 230 छात्र - छात्राओं को राज्यपाल महोदय की उपस्थिति में चिकित्सा आचार संहिता महर्षि चरक शपथ दिलाया जाना महाविद्यालय के लिए बड़े गौरव की बात हैं। मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. अरविंद नेरल ने मेडिकल प्रोफेशन के क्रियान्वयन के समय निभाये जाने वाले नैतिक मूल्यों और आदर्शों की जानकारी दी। डॉ. नेरल ने कहा कि मरीज दवाइयों के अलावा एक आदर्श चिकित्सक से अपनत्व, मुस्कुराहट और मित्रवत व्यवहार की अपेक्षा रखते हैं। मेडिकल साइंस सभी विज्ञानों में सबसे अधिक मानवीय और सभी मानविकी में सबसे अधिक वैज्ञानिक होता है। एक डॉक्टर ताउम्र विद्यार्थियों की तरह सीखता रहता है। अधिष्ठाता डॉ. विवेक चौधरी ने चरक आचार संहिता की शपथ विद्यार्थियों को दिलाई, उनके द्वारा कहे गए शब्दों को नवप्रवेशित 230 छात्र-छात्राओं ने अपना दाहिना हाथ उठाकर दोहराया।

मुख्य अतिथि राज्यपाल श्री रमेन डेका ने चिकित्सा छात्रों को व्हाइट कोट समारोह की महत्ता बताते हुए कहा कि आज आपने जो शपथ लिया है उसका सदैव स्मरण करना अति आवश्यक है। चिकित्सा का क्षेत्र सेवा के साथ-साथ एक गरिमामयी प्रोफेशन है जिसमें ''यह व्हाइट कोट बेदाग रहे,'' इस बात का ध्यान रखना आवश्यक होता है। चरक संहिता एवं व्यक्तिगत जीवन से जुड़े कुछ अनुभवों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एक चिकित्सक को बीमारी के मूल कारणों (रूट कॉज ऑफ डिजीज) को जानने की कला में निपुण होना चाहिए। बतौर चिकित्सक मरीज के गोल्डन ऑवर में जीवन रक्षा के लिए बेहतर निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए। राज्यपाल ने वैश्विक महामारी कोविड-19 के दौरान चिकित्सक एवं चिकित्सा कर्मियों के चिकित्सा सेवा, साहस और कार्य की सराहना करते हुए कहा कि आप सभी ने मानव सेवा के लिए जो कुछ भी किया वह अतुलनीय है।

महापरिनिर्वाण दिवस पर बाबा साहेब अम्बेडकर को श्रद्धांजलि देकर किया उनके योगदानों का पुण्य स्मरण

अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने कहा, प्रदेश के सबसे बड़े शासकीय चिकित्सालय का नाम बाबा साहेब के नाम पर, यह हम सबके लिए गर्व की बात

रायपुर। भारतीय संविधान के शिल्पकार भारतरत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस शुक्रवार को डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय में मनाया गया। इस अवसर पर चिकित्सालय परिसर में स्थापित बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उनका पुण्य स्मरण किया गया।

अम्बेडकर अस्पताल के अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने बाबा साहेब को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि भारतीय संविधान के निर्माता, महान समाज सुधारक, बुद्धजीवी और चिंतक बाबा साहेब के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। यह हम सबके लिए गर्व की बात है कि प्रदेश के सबसे बड़े शासकीय चिकित्सालय का नाम बाबा साहेब के नाम पर रखा गया है। उन्होंने समानता का मार्ग प्रशस्त करते हुए लोगों के अधिकारों के लिए सदैव संघर्ष किया। बाबा साहेब को महापरिनिर्वाण दिवस पर कोटी-कोटी प्रणाम। इस अवसर पर अम्बेडकर अस्पताल के सहायक अधीक्षक डॉ. अनिल बघेल, आहरण एवं संवितरण अधिकारी डॉ. डी. के. टंडन तथा आपात चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनय वर्मा समेत अस्पताल के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारियों ने बाबा साहेब को श्रद्धासुमन अर्पित किया।

वन बंधु परिषद के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री का 2 दिवसीय दौरा,राष्ट्र निर्माण को लेकर रायपुर भिलाई में होगी उच्चस्तरीय बैठक

दो दिवसीय प्रवास के दौरान अध्यक्ष बजरंग अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष दीपक भीमसरिया, महासचिव चंदन जैन उनके साथ रहेंगे

रायपुर दैनिक लोकशक्ति, रायपुर। वन बंधु परिषद के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट घनश्याम दास मुंदड़ा शनिवार को दो दिवसीय दौरे पर छत्तीसगढ़ की राजधानी पहुंच रहे है, उक्त जानकारी देते हुए प्रदेश मीडिया प्रभारी कविता राठी ने बताया कि 7 दिसंबर को मैग्नेटो मॉल के संतोष हॉल में आयोजित बैठक में श्री मुंदड़ा द्वारा 1 लाख एकल विद्यालय एवं एकल अभियान के तहत भविष्य में कार्यक्षेत्र का विस्तार करने को लेकर मार्गदर्शन दिया जाएगा।

वही प्रदेश उपाध्यक्ष अनिता खंडेलवाल व महिला समिति अध्यक्ष कांता सिंघानिया ने बताया कि शाम 7 बजे श्री मुंदड़ा भिलाई में आयोजित बैठक में शामिल होकर नगरीय कार्यकर्ता एवं सहयोगी परिवार सहित भिलाई इकाई के वनयात्रियों से मिलकर ग्रामीण एवं नगरीय संगठन में समरसता बनाने को लेकर चर्चा करेंगे। उक्त कार्यक्रम में भिलाई चैप्टर के कार्यकारी अध्यक्ष विजय सेठी सहित महिला समिति कार्यकारी अध्यक्ष मंजू सुराणा उपस्थित रहेंगे।

वही सचिव सरिता रेखानी ने जानकारी दी कि श्री मुंदड़ा राजनांदगांव के गायत्री विद्यापीठ स्थित खेल मैदान ने आयोजित एकल अभियान अभ्युदय यूथ क्लब के संभाग स्तरीय खेलकूद समारोह में शामिल होंगे।श्री मुंदड़ा के दो दिवसीय प्रवास के दौरान अध्यक्ष बजरंग अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष दीपक भीमसरिया, महासचिव चंदन जैन उनके साथ रहेंगे।

उपार्जन केन्द्रों में माइक्रो एटीएम की सुविधा से प्रसन्न है किसान

राकेश कुर्रे को अब नहीं लगाने पड़ते बैंको के चक्कर

रायपुर, 06 दिसंबर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन की सुगम व्यवस्था से किसानों को न सिर्फ धान बेचना आसान हो गया है बल्कि किसानों के लिए धान बेचने के बाद पैसा निकालना भी आसान हो गया है। छत्तीसगढ़ सरकार की किसान हितैषी नीतियों के चलते राज्य के किसानों को प्रति क्विंटल धान का सर्वाधिक मूल्य मिल रहा है। छत्तीसगढ़ देश का एक मात्र ऐसा राज्य है जहां किसानों को एक क्विंटल धान का सर्वाधिक 3100 रूपए मूल्य प्राप्त हो रहा है। धान बेचने के तुरंत बाद उपार्जन केन्द्र एवं समिति से माइक्रो एटीएम के माध्यम से पैसा निकाल पाने की सुविधा से उनकी खुशियां दोगुनी हो गयी है। धान खरीदी केन्द्रों में किसानों की सुविधा के लिए सरकार द्वारा कई इंतजाम किए गए है, इन्हीं सुविधाओं में माइक्रो एटीएम की सुविधा भी शामिल है।

माइक्रो एटीएम के जरिए किसान खरीदी केन्द्र में ही 10 हजार तक नगद राशि निकाल सकते हैं। इस सुविधा से किसान प्रसन्न है। चिल्हाटी के श्री राकेश कुर्रे ने मोपका धान खरीदी केन्द्र में 62.80 क्विंटल धान बेचा और केन्द्र में ही माइक्रो एटीएम के जरिए 1 हजार रूपए नगद निकाला। उन्होंने बताया कि यह सुविधा किसानों की तत्कालिक जरूरत को पूरा कर रही है। अब किसानों को एटीएम अथवा बैंक का चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है। वह खरीदी केन्द्र के माइक्रो एटीएम से पैसा निकालकर धान परिवहन के लिए किराए पर लाए गए मेटाडोर, ट्रेक्टर, छोटा हाथी का भाड़ा और हमालों की मजदूरी तुरंत दे सकते हैं। किसानों को इसके लिए अब न किसी से राशि उधार लेने की जरूरत पड़ रही है और न ही बैंको का चक्कर लगाना पड़ रहा है। श्री कुर्रे ने बताया कि माइक्रो एटीएम का उपयोग बहुत ही आसान है। आधार नम्बर और फिंगर प्रिंट के माध्यम से नगद राशि प्राप्त की जा सकती है। मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा दी गई सुविधा से किसानों को बड़ी राहत मिल रही है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका पद के लिए 12 तक आवेदन आमंत्रित

रायपुर 06 दिसंबर (आरएनएस)। महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार एकीकृत बाल विकास परियोजना रायपुर शहरी - 02, जिला रायपुर में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के रिक्त पदों हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किया गया है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के लिए 01 रिक्त पद पर 05 दिसंबर से 19 दिसंबर तक आवेदन किया जा सकता है। परियोजना अधिकारी ने बताया कि निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र परियोजना कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है । साथ ही आवेदन निर्धारित तिथि व कार्यालयीन समय पर एकीकृत बाल विकास परियोजना रायपुर शहरी - 02, एच.आई.जी 82 सेक्टर - 01, डी.डी. नगर स्थित कार्यालय में जमा भी किया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए परियोजना कार्यालय, नगर निगम रायपुर तथा वार्ड पार्षद कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है

तेलीबांधा में लूटपाट करने वाले दो आरोपी तथा लूट का सामन खरीदने वाला गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर के तेलीबांधा थानाक्षेत्र में हुई लूट के मामले में पुलिस ने दो लूटेरों सहित लूट का माल खरीदने वाले ज्वलरी दुकान के संचालक को गिरफ्तार किया है। मामले में आरोपियों के खिलाफ धारा 309(2),317.(2)3 (5) बीएन एस के तहत कार्यवाही की गई है।

बता दें कि दिनांक 04.12.2024 को प्राथी शिशुपाल सिंह यदु निवासी बजाज कालोनी थाना न्यू राजेन्द्र नगर द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 04.12.24 को प्रार्थी अपनी स्कूटी में न्यू राजेन्द्र नगर में घूम रहा था कि आरोपी मुक्कू फोन कर प्रार्थी को उधारी की रकम वापस करने के बहाने तेलीबांधा सिग्नल के पास बुलाया और तेलीबांधा सिग्नल के पास प्रार्थी के आने पर कहा कि यहां भीडभाड़ है मैं आपके स्कूटी को चलाता हूँ कहकर ब्रम्हदेव नगर लाभांडी सुनसान जगह में ले जाकर उसे डरा धमकाकर प्रार्थी के 02 नग सोने की अंगुठी व जेब में रखे करीबन 1200 रूपये नगदी को लूट लिया।

शेयर ट्रेडिंग के नाम से ठगी करने वाला आरोपी 24 परगना वेस्ट बंगाल से गिरफ्तार

रायपुर। पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज श्री अमरेश मिश्रा द्वारा रेंज साइबर थाना रायपुर को शेयर ट्रेडिंग में मुनाफा के बहाने ठगी करने वालों के विरुद्ध साक्ष्य एकत्र कर गिरफ्तार करने निर्देश दिया गया है प्राप्त निर्देश अनुसार रेंज साइबर थाना रायपुर द्वारा कार्यवाही की जा रही है।

प्रार्थी आशीष कृष्णानी ने शेयर ट्रेडिंग में मुनाफा कमाने के नाम से उनसे 94 लाख रुपए की ठगी होने की रिपोर्ट देवेंद्र नगर थाना में दर्ज कराई थी। रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 322/24 धारा 318(4), 3(5) पंजीबद्ध कर विवेचना रेंज साइबर थाना रायपुर को सौंपी गई। विवेचना क्रम में अपराध में शामिल अब्दुल रहमान मुल्ला पिता अब्दुल रशिद उम्र 42 वर्ष पता काशीपुर साउथ 24 परगना वेस्ट बंगाल को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी 12वीं तक पढ़ाई किया है तथा ठेकेदारी का कार्य करता है, आरोपी ने भाई-भाई इंटरप्राइजेस के नाम से फर्जी फर्म बनाकर बैंक अकाउंट खोला है। उक्त प्रकरण में अब तक 24 लाख रुपए बैंक खाता में होल्ड कराया गया है। आरोपी के विरुद्ध 5 अलग-अलग राज्यों में रिपोर्ट दर्ज है।

मंदिरों में चोरी करने वाला शातिर गिरफ्तार

डोंगरगढ़-रायपुर, 06 दिसंबर (आरएनएस)। प्रार्थी दीपक कुमार साहू पिता स्व0 ईश्वर लाल साहू उम्र- 44 साल निवासी ग्राम चिद्दो थाना डोंगरगढ़ ने दिनांक- 03.12.2024 को थाना डोंगरगढ़ में रिपोर्ट दर्ज कराया गया था कि ग्राम चिद्दो से डोंगरगढ़ आने वाले रोड किनारे नाला पुल के पास स्थित एक सार्वजनिक पुरानी मंदिर जिसमें गणेश जी का मूर्ति, शिवलिंग मूर्ति, बैल मूर्ति एवं हनुमान जी का मूर्ति विराजमान किया गया था। दिनांक- 03.12.2024 को सुबह पूजा करने आया तो देखा कि हनुमान भगवान का मुर्ति नहीं था इससे पहले दिनांक- 01.12.2024 को गणेश मूर्ति, शिवलिंग मूर्ति एवं बैल मूर्ति नहीं था, दिनांक- 03.12.2024 को हनुमान जी का मूर्ति नहीं होने पर शंका हुआ कोई अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ले गया है एवं पुजा सामान को बिखेर दिया है, धार्मिक भावना को ठेस पंहूचा है कि रिपोर्ट पर थाना डोंगरगढ़ में अप0क्र0- 642/2024 धारा- 299, 303(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण के गंभीरता को देखते हुये अज्ञात आरोपी एवं चोरी गये मुर्तियों के पता तलाश हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय राजनांदगांव मोहित गर्ग एवं अति पुलिस अधीक्षक महोदय राहुल देव शर्मा व श्रीमान पुलिस अनुविभागीय अधिकारी महोदय डोंगरगढ़ आशीष कुंजाम के दिशा-निर्देश पर थाना प्रभारी डोंगरगढ़ जितेन्द्र वर्मा के मार्गदर्शन में थाना डोंगरगढ़ एवं सायबर सेल राजनांदगांव का टीम गठित किया गया था उक्त दोनों टीम साथ मिलकर अलग-अलग एंगल से अज्ञात आरोपी एवं चोरी गये मुर्तियों के पता तलाश में जुट गये जिस पर गठित टीम को सूचना मिला कि ग्राम बछेराभाठा निवासी भूवन चन्द्रवंशी अपने घर में मूर्ति रखा है कि सूचना मिलने पर भूवन चन्द्रवंशी पिता उदयराम चन्द्रवंशी उम्र- 35 साल निवासी बछेराभांठा थाना डोंगरगढ़, जिला राजनांदगांव छ0ग0 का पता-तलाश कर पुछताछ किया जो आरोपी अपने मोटर सायकल से ग्राम चिद्दो आकर ग्राम चिद्दो-डोंगरगढ़ मार्ग के रास्ते में नाला के पास शिव मंदिर, हनुमान मंदिर में रखे गणेश जी की मूर्ति, शिवलिंग मूर्ति, बैल मूर्ति एवं हुनमान जी के मूर्ति को चोरी कर अपने घर के आलमारी में छुपाकर रखा हूँ बताने पर पुलिस आरोपी के घर पंहूचकर आरोपी के घर अन्दर रखे आलमारी से गणेश जी की मूर्ति, शिवलिंग मूर्ति, बैल मूर्ति एवं हुनमान जी के मूर्ति को बरामद कर मोटर सायकल क्र0- सीजी 05 ई 7740 सहित जप्त किया जाकर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

शराब भट्टी में बदमाशों से पैसे लूटने तीन लोगों को मारा चाकू

रायपुर, 06 दिसम्बर (आरएनएस)। राजधानी रायपुर के एक शराब दुकान में फिर से चाकूबाजी की घटना हुई है। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें बदमाश एक व्यक्ति पर चाकू से हमला करते दिख रहे है। मामले में पीड़ित व्यक्ति ने पंडरी थाने में शिकायत दर्ज कराई है। मिली जानकारी के अनुसार घटना मंगलवार रात 9:30 बजे की है। योगेश धनगर अपने दोस्त रामधन यादव के साथ शराब खरीदने के लिए देशी शराब भट्टी मोवा गया था। इस दौरान स्कूटी में 3-4 बदमाश आए। बदमाशों ने योगेश धनगर को जेब में रखे 500 रुपए को लूटने का प्रयास किया। और जब रामधन और योगेश ने बदमाशों का विरोध किया तो उन्होंने चाकू से हमला कर दिया। इस घटना में योगेश के हाथ में चोटें आई है। इसके बाद वो पंडरी पुलिस थाने पहुंचा और शिकायत दर्ज करवाई। वहीं पता चला कि थाने में पहले से ही दो व्यक्ति बैठे हुए थे, वह भी घायल थे। बदमाशों ने उनके पीठ में चाकू मार कर लूटपाट की थी और दोनों ही घटनाओं में वहीं बदमाश शामिल थे।

शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय में दिखेगा ब्रिटिशकालीन जनजातीय विद्रोह का वास्तविक झांकी

बस्तर, कोलकाता और फिल्म सिटी मुम्बई के आर्टिस्ट म्यूजियम को दे रहे वास्तविक स्वरूप

छत्तीसगढ़ के जनजातीय जीवन शैलियों और संस्कारों से रूबरू होंगे लोग

नवा रायपुर में 10 एकड़ में बन रहा है शहीद वीरनारायण सिंह संग्रहालय

रायपुर, 06 दिसंबर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में निर्माणाधीन शहीद वीरनारायण सिंह संग्रहालय परिसर में छत्तीसगढ़ राज्य में ब्रिटिशकाल में हुए जनजातीय विद्रोह की झांकी को वास्तविक स्वरूप में तैयार किया जा रहा है। ब्रिटिशकाल के दौर में अपनी अस्मिता और संस्कृति को बचाने के लिए हुए जनजातीय विद्रोह के दौरान छत्तीसगढ़ के अनेक वीर सपूतों ने अपने प्राण न्यौछावर किए। झांकी के माध्यम से जनजातीय विद्रोह को वास्तविक स्वरूप में प्रदर्शित करने में बस्तर, कोलकाता और मुम्बई फिल्म सिटी के आर्टिस्ट जुटे हैं। आदिम जाति कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव बोरा ने आज शहीद वीरनारायण सिंह संग्रहालय का दौरा कर वहां चल रहे निर्माण कार्यों का जायजा लिया। बोरा ने जनजातीय विद्रोह की झांकी तैयार करने में जुटे आर्टिस्टों से मुलाकात कर उनकी हौसला अफजाई की। बोरा ने कहा कि जनजातीय विद्रोह के वास्तविक स्वरूप को दर्शाने के लिए तैयार की जा रही यह झांकी जनजातीय समुदाय के गौरवशाली इतिहास का स्मरण कराएगी। गौरतलब है कि नया रायपुर में पुरखौती मुक्तांगन के समीप 45 करोड़ की लागत से लगभग 10 एकड़ भूमि पर शहीद वीरनारायण सिंह म्यूजियम स्थापित किया जा रहा है। इस संग्रहालय में छत्तीसगढ़ के जनजातीय जीवन शैली एक अलग म्यूजियम तैयार किया जा रहा है, जो जनजातीय कला-संस्कृति और रीति-रिवाजों से रूबरू कराएगा। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने म्यूजियम के निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर आदिवासी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के संचालक पी.एस. एल्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं संबंधित ऐंजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित थे। म्यूजियम निर्माण में लगे क्यूरेटर प्रोबल घोष ने बताया कि छत्तीसगढ़ के आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के वीर गाथाओं पर आधारित इस झांकी का निर्माण काफी चुनौती पूर्ण कार्य है। इस म्यूजियम में आदिवासियों की ग्रामीण जन-जीवन, उनकी स्वतंत्रता फिर उनकी वीर गाथा की वास्तविक कहानी क्लासिकल लुक में दिखेगी।

महापौर एजाज ढेबर ने निगम के श्वान आश्रय केन्द्र सोनडोंगरी के निर्माण एवं विकास कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के दिए निर्देश

रायपुर - राजधानी शहर के प्रथम नागरिक नगर पालिक निगम रायपुर के महापौर श्री एजाज ढेबर ने नगर निगम जोन नम्बर 8 के माध्यम से वार्ड नम्बर 2 के सोनडोंगरी में तेज गति से निर्माणाधीन श्वान आश्रय केन्द्र के प्रगतिरत निर्माण एवं विकास कार्यों का प्रत्यक्ष अवलोकन निगम जोन 8 जोन कमिश्नर श्री ए. के. हालदार एवं कार्यपालन अभियन्ता श्री अभिषेक गुप्ता की उपस्थिति में किया. महापौर श्री एजाज ढेबर ने कार्यों की स्थल समीक्षा की एवं कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करवाने के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दिए. अधिकारियों ने बताया कि सोनडोंगरी में प्रगतिरत श्वान आश्रय केन्द्र में नगर के अस्वस्थ एवं सड़क दुर्घटनाओं में चोटिल श्वानों को शासकीय पशु चिकित्सकगणों के निर्देशन में त्वरित उपचार हेतु रखे जाने लगभग 77 कैनल का निर्माण कार्य तेजी से पूर्णता की ओर अग्रसर है. साथ ही पशु प्रेमी एनजीओ की सहभागिता से शहर के नागरिकों को शहर के बाहर कुछ दिनों के लिए जाने की अवधि के दौरान उनके पालतु श्वानों को समुचित देखभाल हेतु केन्द्र में रखे जाने की व्यवस्था केन्द्र का संचालन प्रारम्भ होने के पश्चात दी जाएगी. श्वान आश्रय केन्द्र में ऑपरेशन थिएटर, पशु चिकित्सकों के कक्ष की व्यवस्था सहित सुविधायुक्त बनाने सभी आवश्यक प्रबंध किये जायेंगे. महापौर ने सम्बंधित अधिकारियों को प्राथमिकता से शीघ्र कार्य पूर्ण करवाने के निर्देश दिए हैं.

संध्या गौ माता लौटती है तो उनके पैरों से जो धूल उड़ाता है– उसे गोधूलि कहते हैं लाटा महाराज

दैनिक लोकशक्ति,रायपुर। श्री राजराजेश्वरी महामाया माता मंदिर सार्वजनिक न्यास समिति पुरानी बस्ती रायपुर के तत्वाधान में आयोजित राम जानकी विवाह के उपलक्ष में आयोजित नौवधा रामायण श्री राम कथा का आयोजन किया गया है। रामा कथा के प्रवचन कर्ता वाणी भूषण पं लाटा महाराज ने कहा कि श्री रामजी की बारात अवध से मिथिला चली। जनकपुर में बारात का बहुत स्वागत हुआ। विवाह का मुहूर्त नहीं निकला था।? ब्रह्मा जी ने विवाह का मुहूर्त अगहन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी को निश्चित किया। जिस घोड़े में प्रभु दूल्हा बनकर बैठे थे वह घोड़ा कामदेव था। विवाह के पूर्व श्री राम को हल्दी लगाई गई।महाराज श्री ने कहा हल्दी खाने, लगाने, रोगों का निदान करने के लिए समसामयिक है। इसलिए विवाह के पूर्व वर वधु को हल्दी लगाई जाती है?। ब्रह्मा जी के चार मुख है अर्थात आठ नेत्र है। श्री राम के वर वेश का दर्शन उन्होंने 8 आंखों से किया, तो उन्हें बड़ा आनंद आया। कार्तिकेय जी के 6 मुख 12 नेत्र हैं?। उन्होंने वर का दर्शन किया तो ब्रह्मा जी को दुख हुआ कि मेरे से डेढ़ गुना दर्शन कार्तिकेय प्राप्त कर रहे हैं। लेकिन ब्रह्मा जी को कुछ निराशा हुई तो शंकर जी के पांच मुख एवं 15 नेत्र हैं। त्रिनेत्र होने से शंकर

जी 15 नेत्रों से वर का दर्शन कर रहे हैं। किंतु इंद्र के हजार नेत्र हैं। गौतम ऋषि ने इंद्र को श्राप दिया तो उनके शरीर में हजारों छेद हो गए थे। कभी-कभी संत का श्राप आशीर्वाद हो जाता है और दुष्ट का आशीर्वाद भी श्राप हो जाता हैं । इद्र के हजारों क्षेत्र नेत्र बन गए और वह हजारों आंखों से वर का दर्शन किये। महाराज श्री ने भजन सुनते हुए गाया आज सीताराम का शुभ विवाह है, अजी वाह वाह है, श्रोतागण झूम कर नाचने लगे। आज विवाह पंचमी के दिन सीताराम आश्रम में विवाह संपन्न हो रहा है। दशरथ के दश रथ है। समाधिन 700 है। यात्रा करना हो तो एक रथ में 70-70 बैठेंगे। किंतु यह घर के अंदर की बात है। ऐसी सखियां हंसी उड़ते हुए विवाह का आनंद ले रही थी। दशरथ का बड़ा परिवार भागीरथ जैसा है। सीताराम के विवाह में विवाह मंडप मणियों से बना है। कोई लोहा लकड़ी नहीं है। राम सीता ने चार फेरा धर्म अर्थ काम और मोक्ष का लिया है। विवाह के बाद धर्म करना आवश्यक है। लेकिन धर्म और परिवार को चलाने के लिए अर्थ की आवश्यकता है। इसलिए धन भी जरूरी है। पितरों को पानी देने के लिए पुत्र की आवश्यकता है। इसलिए काम भी जरूरी है और अंत में गृहस्थ रहकर मोक्ष प्राप्त करना भी जरूरी है। सभी आश्रमों से बड़ा गृहस्थ आश्रम है। क्योंकि गृहस्थ ना होने से साधु संतों को भोजन कौन कराएगा। विवाह प्रारंभ होने पर जनक जी ने राम जी के हाथों सीता का हाथ रख दिया। मांग में सिंदूर भरते समय महाराज श्री ने भजन गया मोर सिया प्यारी भरिए मांग सिंदूर। उन्होंने सिंदूर की भी महिमा बताएं कि सिंदूर सुख और सौभाग्य में वृद्धि करता है। सिंदूर मां भगवती लगाती हैं। हनुमान जी, गणेश, भैरव जी भी सिंदूर लगाते हैं। विवाह की कामना करने वालों के लिए मां महामाया का भजन गाते हुए अविवाहित लोगों से कहा कि मां भगवती से विवाह का वरदान मांग ले। दुर्गा सप्तशती में लिखा है पत्नीं मनोरमाम देहि, मनोवृतानुसारणीम। मां मुझे पत्नी दे और मेरे इच्छा के अनुरूप परिवार को चलाएं ऐसा वरदान दे। वर को कोबर में ले जाया गया।

आरपीएफ की तत्परता से यात्री को मिला गुम आईफोन

रायपुर । दिनांक 03.11.2024 एक यात्री जिसका नाम संजीव रंजन पिता देवेंद्र सिंह रंजन उम्र 32 साल साकिन बनियापुर वार्ड नं 06, जिला सारण (बिहार) का निवासी है जो गाड़ी संख्या 18237 छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस के स्लीपर कोच एस/6, बर्थ नं 03 पर रायपुर से नागपुर जाने के ट्रेन में चढ़ते समय उसके जेब में रखे एक आईफोन 15, प्लस टाइटेनियम ब्लैक रंग का मोबाइल फोन किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिया गया, जिसकी शिकायत जीआरपी नागपुर में शून्य में 312/24 धारा 303(2) बी.एन.एस. दर्ज कर जीआरपी रायपुर को ट्रांसफर किया गया जिस पर जीआरपी थाना रायपुर में अपराध क्र.161/24 धारा 303(2) बीएनएस दिनांक 22/11/24 को मामला पंजीबद्ध किया गया था। आज दिनांक 05.12.24 को वरि.मं.सु.आ. रेसुब रायपुर के दिशा निर्देशन एवं मार्गदर्शन में रेसुब पोस्ट रायपुर प्रभारी निरीक्षक एस.दत्ता के नेतृत्व में आरपीएफ पोस्ट रायपुर व जीआरपी रायपुर के साथ, रायपुर रेलवे स्टेशन में लगे सीसीटीवी फुटेज में दिखे हुलिये के व्यक्ति को मुखबिर सूचना के आधार पर 01 व्यक्ति को मोबाइल बेचने के फिराक में ग्राहक की तलाश कर रहा था, जिसे रेलवे स्टेशन रायपुर के मेन गेट, एटीएम के पास समय 06.15 बजे जाकर आरपीएफ टीम द्वारा जीआरपी के साथ संयुक्त रूप से घेरा बंदी कर पकड़ा गया तथा उसके कब्जे से चोरी का एक आईफोन 15 प्लस, टाइटेनियम ब्लैक रंग का एप्पल कम्पनी का फोन कीमती 77,999/ रुपया को जप्त किया

28 वाहन चालकों से वसूला गया 8400 रुपए जुर्माना

बलौदाबाजार-भाटापारा, 06 दिसंबर (आरएनएस)। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा यातायात पुलिस द्वारा आपरेशन विश्वास के तहत यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध लगातार सख्ती से कार्यवाही की जा रही हैं, सांथ ही जिले में सड़क दुर्घटनाओ की रोकथाम, सुगम एवं सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था के लिए, यातायात नियमों का पालन नहीं करने वाले वाहन चालको पर सख्त कार्यवाही करने हेतु यातायात पुलिस द्वारा लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम मे दिनांक 05.12.2024 को यातायात पुलिस द्वारा सड़क मार्ग में दो-पहिया वाहन में तीन सवारी, हेलमेट पहने बिना दोपहिया वाहन चलाने वाले, बिना नंबर के वाहन चलाने वाले, नो-पार्किंग में अपने वाहन खडा करने वाले चालकों पर सख्त कार्रवाई किया गया है। यातायात पुलिस द्वारा चेकिंग अभियान में दोपहिया वाहन में तीन सवारी चलने वाले 28 वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई कर ?8400 समन शुल्क वसूला गया है। हेलमेट पहने बिना दोपहिया वाहन चलाने वाले 09 वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई कर ?4500 समन शुल्क वसूल किया गया है। बिना नंबर के वाहन चलाने वाले 06 वाहन चालकों के विरुद्ध कार्यवाही कर ?1800 समन शुल्क एवं नो-पार्किंग में वाहन खडा करने वाले 28 वाहन चालकों के विरुद्ध कार्यवाही कर ?8400 समन शुल्क वसूल किया गया है। दिनांक 05.12.2024 को पुलिस द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 92 वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई कर

?33,100 समन शुल्क वसूल किया गया है। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमो के प्रति जागरूकता एवं यातायात नियमो के पालन हेतु सख्ती से लगातार कार्यवाही की जा रही हैं। पुलिस आम नागरिकों से अपील करती हैं कि आप सभी यातायात के नियमों का पालन करें एवं जिले में सुगम एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था के लिए यातायात नियमों का सदैव पालन करें। पुलिस आपकी सेवा एवं सुरक्षा हेतु सदैव तत्पर हैं।ो

लखन साहू व इंद्रजीत साहू बने तेलिनसत्ती बूथ के अध्यक्ष, चुनाव प्रभारी डीपेन्द्र साहू रहे उपस्थित

धमतरी, 06 दिसंबर (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जिला धमतरी के आमदी मंडल अंतर्गत शक्ति केंद्र अर्जुनी के ग्राम तेलीनसत्ती में बूथ अध्यक्ष और बूथ समिति का गठन शक्ति केंद्र संगठन चुनाव प्रभारी डीपेन्द्र साहू की मुख्य उपस्थित में किया गया। जिसमें बूथ क्रमांक 66 में लखन साहू व बूथ क्रमांक 67 में इंद्रजीत साहू को सर्वसम्मति से सभी कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में बूथ अध्यक्ष चुना गया। शक्ति केंद्र संगठन चुनाव प्रभारी डीपेंद साहू जी ने कहा कि भाजपा की मजबूती के लिए बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं का चयन और प्रशिक्षण महत्वपूर्ण है। साहू ने आगे कहा कि बूथ अध्यक्ष और बूथ समिति के सदस्यों को अपने क्षेत्र में भाजपा की नीतियों और कार्यक्रमों को प्रचारित करने और लोगों को जागरूक करने का काम करना होगा। उपस्थित भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बूथ अध्यक्ष और बूथ समिति के सदस्यों को बधाई दी और उन्हें अपने कार्यों में सफलता की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्य रूप से खम्हन लाल साहू, कृष्णा आठनगर, राधेश्याम ध्रुव, राकेश सिन्हा, भूपेश सिन्हा, नंदकुमार साहू जी, सुंदरलाल मरकाम जी, खोमन सिन्हा, लखन साहू, इंद्रजीत साहू, खिम्मन साहू, भीमन सिन्हा, योगेश्वर सिन्हा, ओमप्रकाश साहू।

शहरों में विकास नहीं होने के आरोप पर भड़के चंद्राकर, बोले- कांग्रेस ने तो केवल अपना विकास किया

रायपुर, 06 दिसम्बर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव से पहले विकास के कामों पर सियासत गरमा गई है। पूर्व नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिव डहरिया ने भाजपा पर तंज कसा है। डहरिया में कहा कि, निकायों में कांग्रेस सरकार में 400 करोड़ के स्वीकृत कामों को भाजपा सरकार ने निरस्त किया है। वहीं डिप्टी सीएम साव ने पलटवार करते हुए कहा कि, भाजपा सरकार में नगरीय निकायों में 2 हजार करोड़ से अधिक के काम हुए हैं। पूर्व नगरीय प्रशासन मंत्री डहरिया ने कहा कि, कार्यों के निरस्त करने के कारण ही सभी निकायों में काम ठप पड़ा है। कर्मचारियों को वेतन देने भी पैसा नहीं है। कांग्रेस सरकार में कभी निकायों की ऐसी हालत नहीं हुई थी। वहीं डिप्टी सीएम अरुण साव ने पलटवार करते हुए कहा कि, ऐसा कोई निकाय नहीं है, जहां एक साल में विकास कार्य न हुआ हो। कांग्रेस नेताओं को इटालियन चश्मा निकालकर देखना चाहिए। आगे साव ने कहा कि, आगे भी नगरीय निकायों में तेजी से विकास के कार्य होंगे।

कांग्रेस से सिर्फ अपना विकास किया- अजय चंद्राकर

इस मामले में पूर्व मंत्री और विधायक अजय चंद्राकर भी कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि, कांग्रेस के नेताओं ने सिर्फ अपना विकास किया है। कांग्रेस के लोगों ने जादू की सड़क बनाई, बूढ़ातालाब बनाया है। ये विकास के काम किसके लिए किए गए सब जानते हैं। विधायक चंद्राकर ने दिल्ली में कुरुद के विकास कार्यों को लेकर मंत्रियों से मुलाकात की है। इस दौरान विभिन्न प्रस्तावों को मंजूरी दिलाने को लेकर चर्चा की गई। वहीं मंत्रिमंडल में शामिल होने को लेकर चंद्राकर ने कहा कि, यह मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार है मुख्यमंत्री जब, जिसे चाहेंगे वह मंत्रिमंडल में शामिल होगा।

निगम ने निजी जमीन पर बिछाई पाइप लाइन, बनाया सड़क

रायपुर, 06 दिसम्बर (आरएनएस)। गुढियारी इलाके में भामाशाह वार्ड के अंतर्गत तुलसीनगर में निवासरत दृष्टिहीन वृद्धा के निजी जमीन पर निगम ने सालों पहले पाइप लाइन बिछाकर उसे आम लोगों के सडक़ बना दिया था।

जिससे उक्त जमीन महिला के उपयोग के लायक नही रही। महिला ने उक्त जमीन के बदले मुआवजे की मांग निगम से की लेकिन निगम ने प्रावधान नहीं होने की बात कहकर वृद्धा की मांग को अनदेखी कर दिया। पीड़ित महिला ने शासन -प्रशासन से काफी गुहार लगाने के बाद मुआवजे की मांग को लेकर हाईकोर्ट में याचिका लगाई जिसपर कोर्ट ने निगम और जिला प्रशासन को पीड़िता को मुआवजा देने के निर्देश दिए, बावजूद आज पर्यन्त पीडिता को मुआवजा नही दिया गया है। पीड़िता पिछले 20 साल से न्याय

के लिए संघर्ष कर रही है। पीड़िता की जमीन पर अब आम रास्ता है और उक्त जमीन पर कई मकानों के मुख्य द्वार खुलते हैं जिसपर लोगों का आना-जाना होता है। पीड़ित दुर्गादेवी गुप्ता ने इस मामले में नगरीय निकाय मंत्री अरूण साव को आवेदन देकर मुआवजा दिलाने की मांग की थी जिस पर मंत्री द्वारा अग्रिम कार्रवाई के लिए संबंधित विभाग को आदेशित किया गया था। विभागीय सचिव द्वारा कलेक्टर को जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिये गए थे। कलेक्टर ने एसडीएम से जांच कर वस्तुस्थिति से अवगत कराने को कहा था। एसडीएम के निर्देश पर तहसीलदार ने मौके पर उक्त जमीन की जांच की जिसमें उक्त जमीन पर पाइप लाइन बिछे होने और सडक़ के तौर पर आम रास्ता होना पाया गया। इसके बाद भी आज तक मुआवजा देने पर कोई निर्णय नही लिया गया। इतना ही नहीं निगम जोन 2 के आयुक्त द्वारा यह भी कहा जा रहा है कि उक्त जमीन से पाइप लाइन-सडक़ हटा देते है तुम उस पर कब्जा कर लो। हैरानी की बात यह कि सालों से लोग अब उस जमीन को सडक़ के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं कई घरों के मुख्य दरवाजे उस सडक़ पर खुलते हैं ऐसे में उन परिवारों को आम रास्ता बंद होने से आने जाने के लिए रास्ता नहीं मिलेगा फिर भी जोन अधिकारी का एसा कहना हास्यास्पद है। लोगों ने भी इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। इस पर भी जोन अधिकारी द्वारा बस्ती वालों को यह धमकी दी जा रही है कि आने-जाने का रास्ता चाहिए तो भूमि के मालकिन को पैसा दे नहीं तो रोड का पाइप लाइन उखाड़ कर रोड नाली बंद कर देंगे। निगम के अधिकारी लगातार महिला को प्रताड़ित कर रहे हैं। पीड़ित महिला का कहना है कि उसकी जमीन का लोकहित में उपयोग किया गया है लेकिन इससे उसकी जिंदगी मुश्किल हो गई है।

700 बिस्तरीय एकीकृत नवीन अस्पताल भवन निर्माण के लिए 231 करोड़ रूपए का ई टेंडर सीजीएमएससी ने किया जारी

मुख्यमंत्री साय के सुशासन में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को लेकर एक और बड़ा कदम

रायपुर । मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल पर राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार के रूप में तरक्की और सुशासन का ये सफर लगातार आगे बढ़ रहा है। इसी कड़ी में रायपुर के मेकाहारा में बढ़ते मरीजों का दबाव कम करने के लिए परिसर में 700 बिस्तरीय एकीकृत नवीन अस्पताल भवन निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया को शुरू कर दिया गया है । उल्लेखनीय है कि इस वर्ष के बजट में मेकाहारा परिसर में 700

नवीन एकीकृत अस्पताल का प्रावधान किया था जिसके निर्माण की प्रक्रिया अब शुरू कर दी गयी है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य में इलाज के लिए बेहतर संसाधन उपलब्ध हो सके इसके लिए लगातार पूंजीगत व्यय के निर्णय लिए जा रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार और नई सुविधाओं के विकास पर विशेष जोर दे रहे है।

मेकाहारा परिसर में 700 बिस्तरीय नवीन एकीकृत अस्पताल भवन के लिए 231 करोड़ रूपए के ई- टेंडर जारी होने पर स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं का इजाफा करना उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होने कहा है कि इस एकीकृत अस्पताल के निर्माण से मेकाहारा अस्पताल के अतिरिक्त भी लोगों के पास सर्वसुविधा वाला अस्पताल रहेगा। इसमें रायपुर सहित सम्पूर्ण प्रदेश के लोगों को इलाज की बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सकेगी और लोगों को ज्यादा से ज्यादा स्वास्थ्य सुविधा का लाभ मिलेगा।

ई टेंडर के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी सीजीएमएससी की वेबसाइट 222.ष्द्ढद्वह्यष्.द्दश1.द्बठ्ठ पर 10 दिसंबर से उपलब्ध रहेगी । इसके लिए प्री-बिड मीटिंग 19 दिसंबर को सीजीएमएससी मुख्यालय में सुबह 11 बजे होगी। आनलाइन निविदा जमा करने की अंतिम तारीख 2 जनवरी 2025 तक होगी और 6 जनवरी 2025 को यह टेंडर खुलेगा।

विष्णु के सुशासन और मोदी की गारंटी में प्रदेश में हो रहा है लगातार विकास कार्य – श्याम बिहारी

रायपुर । / राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आज जीपीएम जिले को 43 करोड़ 10 लाख 14 हजार रुपए की लागत के 37 विभिन्न विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण कार्यों की सौगात दी । इनमें भूमि पूजन के 32 करोड़ 38 लाख 10 हजार रुपए की लागत के 30 कार्य और 10 करोड़ 72 लाख 04 हजार रुपए की लागत के 7 लोकार्पण कार्य शामिल है। मरवाही विकासखंड के ग्राम पंचायत तेंदूमूड़ा में शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला प्रांगण में प्रभारी मंत्री एवं अतिथियों ने पूजा अर्चना के साथ विधिवत् भूमि पूजन किया।

इस मौके पर मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रहा है कि आने वाले 13 दिसम्बर को मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सुशासन का एक साल पूरा हो रहा है। इस अल्प अवधि के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी को पूरा करते हुए मुख्यमंत्री ने केबिनेट की पहली बैठक में 18 लाख आवासहीन परिवारों को आवास दिया। उन्होंने किसानों को दो साल का बकाया बोनस, 3100 रूपए क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी, महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख से अधिक महिलाओं को हर महिने एक-एक हजार रूपए देने, तेंदुपत्ता प्रति मानक बोरा 5500 रूपए करने, पीएससी घोटाले की निष्पक्ष जांच एवं पारदर्शी भर्ती, रोजगार के क्षेत्र में विशेष पहल, आयुष्मान कार्ड से 5 लाख रूपए तक मुफ्त इलाज सहित सरकार की पिछले एक साल की उपलब्धियों की जानकारी दी।

भूपेश का कहना की राजीव युवा मितान क्लब के काम बंद इसीलिए अपराध बढ़ रहे है :शिवरतन

अपराधियों को भूपेश सरकार राजीव मितान क्लब के नाम पर पाल-पोस रही थी ? - शिवरतन शर्मा

कांग्रेस अपराधियों की शरणस्थली रही है और बघेल सरकार उनकी सरपरस्त बनी हुई थी - शिवरतन शर्मा

भूपेश राज में शराब के दो-दो काउंटर कौन चला रहा था और दूसरे काउंटर का पैसा कहाँ पहुँच रहा था? - शिवरतन शर्मा

दैनिक लोकशक्ति,रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा ने प्रदेश में अपराधियों और नशाखोरी को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कथन पर करारा पलटवार करके पूछा है कि प्रदेश को अपराध, नशाखोरी समेत तमाम अवांछनीय व असामाजिक गतिविधियों के गर्त में धकेलकर आज बघेल किस मुँह से इन मुद्दों पर बोल रहे हैं? श्री शर्मा ने कहा कि

भूपेश बघेल को तकलीफ है कि अधिकतर राजीव मितान क्लब के युवा खाली हो गए हैं, इसलिए अपराध और नशाखोरी बढ़ रही है, तो क्या यह माना जाए कि प्रदेश के अपराधियों को भूपेश सरकार इस क्लब के नाम पर पाल-पोस रही थी?

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि भाजपा तो शुरू से ही यह कह रही है कि हर अपराध में कांग्रेस के लोग संलिप्त हैं। अब भूपेश बघेल ने भी यह मान लिया है और हमारे आरोप पर मुहर लगा दी है। वे स्वयं राजीव मितान क्लब के युवाओं को अपराधी कह रहे हैं। और, अगर वे लोग अपराधी नहीं हैं तो बघेल को माफी मांगनी चाहिए। भाजपा तो शुरू से कांग्रेस को अपराधियों की शरणस्थली बताती रही है और बघेल की सरकार उनकी सरपरस्त बनी हुई थी। श्री शर्मा ने कहा कि अब बघेल यह भी स्पष्ट कर दें कि उनकी पीड़ा बढ़ते अपराध और नशाखोरी को लेकर है, या अधिकतर राजीव मितान क्लब के नाम पर अपराधियों और नशेड़ियों के संगठित गिरोह का सरकारी पैसों पर पालन-पोषण बंद होने को लेकर है? श्री शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में गांजे का एक पत्ता भी नहीं आने देने की शेखी बघारने वाले पूर्व मुख्यमंत्री बघेल यह भी प्रदेश को बताएँ कि कांग्रेस के शासनकाल में कैसे करोड़ों रुपए के गांजा, अफीम समेत तमाम नशीले पदार्थ तस्करी के जरिए छत्तीसगढ़ में पहुँच रहे थे, बिक रहे थे और प्रदेश की युवा के साथ-साथ किशोर वय के बच्चों की जिंदगी बर्बाद कर रहे थे?

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि कोरोना काल की त्रासदी के दौर में भी प्रदेश में शराब बेचने के लिए पूरी तरह लालायित हुई भूपेश सरकार ने न केवल प्रदेश को नशे के गर्त में धकेलने का काम किया, अपितु नकली शराब तक भूपेश सरकार की सरपरस्ती में बिकती रही, लोगों की जानें जाती रहीं। अब बघेल क्या यह प्रदेश को यह बताएंगे कि उनके राज में शराब के दो-दो काउंटर कौन चला रहा था और दूसरे काउंटर का पैसा कहाँ पहुँच रहा था? श्री शर्मा ने कहा कि जिन गौठानों के बंद होने पर आज बघेल मातम मना रहे हैं, उन गौठानों में गौ-रक्षण व पोषण को छोड़कर क्या राजीव मितान क्लब के लोग महफिल सजाकर शराब और नशे का सेवन नहीं करते थे? अवैध मुरुम खनन के एक मामले में तहसीलदार ने जब कार्रवाई की थी, तब उनको छुड़ाने के लिए कांग्रेस की किस महिला विधायक ने तहसीलदार को धमका कर आसमान सिर पर उठा लिया था, बघेल को क्या यह याद दिलाना पड़ेगा? इस मामले में अधिकतर राजीव मितान क्लब के लोगों की भूमिका के बारे में बघेल क्या सचमुच नावाकिफथे? श्री शर्मा ने कहा कि आज अपराध, नशाखोरी पर खंभा नोचते बघेल की चिंता सिर्फढकोसला है, यह प्रदेश भी जानता है और खुद बघेल की अंतरात्मा भी इससे अच्छी तरह वाकिफहै।

संपादकीय

इंडिया गठबंधन के आगे गंभीर प्रश्न?

लोकसभा चुनाव में जो नुकसान हुआ, अब ऐसा लगता है कि अपनी ध्रुवीकरण एवं समीकरण साधने की सियासत से भाजपा ने उसे काफी हद तक संभाल लिया है। इससे इंडिया गठबंधन के आगे अपनी भूमिका तय करने का गंभीर सवाल खड़ा हो गया है। इंडिया गठबंधन के सामने कठिन प्रश्न हैं। महाराष्ट्र के चुनाव नतीजों से यह सवाल गहरा गया है कि क्या ये गठबंधन बनने के डेढ़ साल बाद भी अपना कोई साझा उद्देश्य तय कर पाया है?

हर चुनाव से पहले शामिल दलों के बीच सीटों को लेकर धींगामुश्ती, मुख्यमंत्री पद के लिए चेहरा पेश कर पाने के मुद्दे पर मतभेद और चुनाव अभियान में समन्वय का अभाव आम कहानी बन गया है। गठबंधन बनने के बाद नवंबर- दिसंबर 2023 में जब पहले चुनाव हुए, तो दलों का मनमुटाव खुल कर जाहिर हुआ। लोकसभा चुनाव में जरूर चीजें कुछ संभलती नजर आई, लेकिन जैसे ही बात हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड की आई, पुरानी खींचतान उभर आई।

कठोर कर्म के साथ धर्म की आस्था जीवन के सार्थक सन्मार्ग।

मनुष्य के जीवन में सदैव कर्म और धर्म का समुचित संतुलन होना चाहिए। कर्म मनुष्य के जीवन को सफलता दिलाने वाला तत्व होता है साथ ही धर्म मनुष्य को मानवता के प्रति संवेदनशील सनमार्गी बनाता है। मनुष्य को धर्म के साथ ही कर्म की वेदी पर अपने श्रम की की आहुति देनी चाहिए, जिससे मानवीय जीवन अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। जीवन में लक्ष्य की प्राप्ति और सफलता के लिए मनुष्य को निरंतर कर्म,धर्म की प्रधानता रखकर संयम तथा मनोबल भी रखना होगा द्यइसके अलावा मनुष्य अपनी इच्छाओं का दास ना होकर उस पर नियंत्रण रख स्वामी बनने का प्रयास करना होगा तब सोची गई सफलता आपके सामने होगीद्य

कठिन तथा विषम परिस्थितियों में मनुष्य को अपने मनोबल को सदैव विनम्रता,संयम और साहस के साथ ऊंचा रखना चाहिए।अपने द्वारा की गई मेहनत पर विश्वास एवं निरंतरता रखनी होगी। तब जाकर ही जीवन में सफलता के पल आपके सामने आएंगे द्य निराशा, हताशा और हीन भावना को कठोर श्रम के बलबूते पर ही विजय प्राप्त की जा सकती हैद्य जीवन में उतार-चढ़ाव, कठिन समय और विषम परिस्थितियां आती ही रहती हैंद्य संकट का समय विषम परिस्थितियां जीवन के अलग-अलग पहलू हैं ।इनसे जूझ कर जो मानव आगे बढ़ता है, वह उच्च मनोबल वाला साहसी व्यक्ति होता है। व्यक्ति के जीवन में साहस, उच्च मनोबल ही सफलता की कुंजी है। जिस भी व्यक्ति ने विषमताओं में रास्ता निकलने का साहस करके आगे बढ़ने का प्रयास किया है वही सफल हुआ है। हमेशा सफलता का मूल आत्मविश्वास, कठिन श्रम और उच्च आदर्श वाले व्यक्ति की प्रेरणा ही सफलता दिलाने वाली होती है।

मनुष्य को कभी भी किसी भी परिस्थिति में मन से हार नहीं माननी चाहिए। उसे सदैव प्रयासरत रहकर परिश्रम तथा जुझारू पन से हर परिस्थिति का सामना कर सदैव अपने लक्ष्य के प्रति अग्रसर होते रहना चाहिए। मनुष्य को अपनी हर हार, हर पराजय से कुछ ना कुछ सीख लेनी चाहिए एवं इससे अनुभव प्राप्त कर फिर से खड़ा होने एवं उस पराजित मनोदशा से छुटकारा पाकर फिर से लड़ने की ऊर्जा एवं शक्ति प्राप्त करनी चाहिए, यह सफलता का बड़ा मंत्र है। सर्वप्रथम मनुष्य अपने मनोबल से किन्हीं भी परिस्थितियों को जीतने का साहस रखता है, इसीलिए मनोबल मनुष्य की पहली आवश्यकता है। मनोबल ही साहस को जन्म देता है और साहस, आत्मबल को और आत्मबल से ही मनुष्य किन्हीं भी परिस्थितियों से जूझना एवं टकराने की क्षमता पैदा करता है। जब मनुष्य के पास खोने के लिए कुछ ना हो तो वह निश्चिंत होकर साहस, क्षमता एवं संयम से आगे बढ़ने का प्रयास करता है, क्योंकि वह जानता है की पीछे पलट कर उसके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है, शिवाय आगे बढ़ने एवं सफलता के लिए अग्रसर होने के। मनुष्य का मनोबल एवं दृढ़ प्रतिज्ञा ही मनुष्य को सदैव आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देते रहते हैं। मनुष्य के जीवन का एक तथ्य और भी अत्यंत महत्वपूर्ण है वह है सकारात्मक सोच, जो उसे हमेशा आगे बढ़ने की ओर उत्साहित करती रहती है। सकारात्मक सोच एवं किसी भी परिस्थिति को अपने नियंत्रण में लाने की सुनियोजित योजना मनुष्य में आशाओं को भर देती है एवं परिस्थितियों को चुनौती देने की क्षमता का विकास करती है। यह मनुष्य ही है जो हर परिस्थिति में साहस और मनोबल के दम पर उससे विजय प्राप्त करता है। मनुष्य के जीवन और पशु के जीवन में यही फर्क है कि मनुष्य के पास सोचने के लिए मस्तिष्क होता है और वह उसके सकारात्मक उपयोग के साथ आगे बढ़ने की क्षमता रखता है। मनुष्य मुस्कुराता, हंसता और खिलखिलाता है। जबकि पशु में मुस्कुराने हंसने की क्षमता नहीं होती, और यही कारण है कि मनुष्य ने विषम परिस्थितियों पर सदैव विजय प्राप्त करने का प्रयास किया है, वह काफी हद तक सफलता पाने में सफल भी हुआ है। मनुष्य यदि परिस्थितियों में अन्य प्रतियोगिताओं में, खेल में, या युद्ध में पराजित होकर भी प्रेरणा लेकर पुनः साहस के साथ पुनःतैयार होता है तो वह आने वाले समय में सफलता का सही हकदार भी होता है, क्योंकि उसने पूरी क्षमता, साहस ,मनोबल के साथ पराजय को स्वीकार कर के उससे कुछ सीखने का प्रयास किया है।

देवेंद्र फडणवीस भाजपा के लिए चाणक्य बन चमक रहे हैं

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

महाराष्ट्र में सरकार गठन की राजनीति में दस दिन की सघन वार्ताओं और खासी नाटकीयता के बाद आखिर अंधेरा छंट गया और देवेंद्र फडणवीस तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। फडणवीस का मुख्यमंत्री बनना न केवल महाराष्ट्र बल्कि देश की राजनीति को एक नई दिशा एवं दृष्टि देगा। क्योंकि फडणवीस ने अपने राजनीतिक कौशल से न केवल नये मानक गढ़े हैं बल्कि सकारात्मक राजनीति को नये आयाम दिये हैं। हार का कारण स्वयं को मानने एवं जीत का श्रेय पार्टी एवं सहयोगी दलों को देने की विराट सोच रखने वाले फडणवीस को अब भाजपा के शीर्ष नेताओं में शुमार किया जाने लगा है। फडणवीस ने राजनीति के चाणक्यों के चक्रव्यूहों को कुछ ऐसा भेदा कि लोग उन्हें आधुनिक अभिमन्यु भी कहने लगे। बात सही भी है फडणवीस अब किसी चक्रव्यूह में फंसते नहीं बल्कि उसे भेदकर बाहर निकलते हैं। सामने कोई भी हो शह और मात के खेल में उनकी जीत अब गारंटी बन चुकी है। वे भाजपा के लिए चाणक्य हैं तो विपक्ष के लिए अबूझ पहेली। पिछले एक दशक से महाराष्ट्र की राजनीति उनके ही इर्द-गिर्द घूम रही है। ऐसे कद्दावर राजनेता के नेतृत्व में निश्चित ही अगली पारी सफल होने वाली है। बावजूद इसके विशाल बहुमत वाली इस सरकार के मुखिया के तौर पर फडणवीस की यह पारी किसी भी रूप में कम चुनौतीपूर्ण नहीं है। फिर भी महाराष्ट्र को राजनीतिक स्थिरता और विकास के नए दौर में ले जाने की जिम्मेदारी निभाते हुए वह हर चुनौती के पार जायेंगे, लोगों ने उनकी पार्टी और सहयोगी दलों पर जो भरोसा जताया है, महायुति सरकार उनकी उम्मीदें पूरी करके एक नये इतिहास का सृजन करेंगी, इसमें कोई शंका दूर तक नजर नहीं आती।

तीसरी बार मुख्यमंत्री का ताज पहनने वाले देवेंद्र फडणवीस ने प्रखर राजनेता, अजातशत्रु, दूरदर्शी नायक एवं महाराष्ट्र-निर्माता के रूप में न केवल देश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर अनेक राजनीतिक कीर्तिमान स्थापित किये हैं। फडणवीस यह नाम महाराष्ट्र राजनीतिक इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त जननायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, नये महाराष्ट्र के निर्माता, कुशल प्रशासक के साथ-साथ राजनीति को एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग हैं, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, प्रशासक और राजनेता हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, वक्ता और नेता हैं, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं। महाराष्ट्र राजनीति की एक खास स्थिति जहां सहयोगी दलों की आकांक्षाओं का ध्यान रखने और उन्हें यथासंभव संतुष्ट रखने की जरूरत से जुड़ी चुनौती है वहीं आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में महायुति से जुड़े दलों पर बेहतर प्रदर्शन की बड़ी जिम्मेदारी है। हालांकि पहली चुनौती मंत्रिमंडल में विभागों के बंटवारे को संतोषजनक ढंग से निपटाने की है। एक बड़ी चुनौती महाराष्ट्र में भाजपा की ताकत को बलशाली बनाने की भी है। इन सब चुनौतियों एवं परिस्थितियों के बीच संतुलन बनाने एवं उनसे पार पाने की क्षमता फडणवीस में दिखती है। जो व्यक्ति 2022 में एकनाथ शिंदे मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री की बजाय उपमुख्यमंत्री की भूमिका मंजूर कर लेता है, पद से ज्यादा पार्टी हित को सामने रखता है, विशिष्ट परिस्थितियों में पार्टी के आग्रह पर न केवल सरकार का सुचारू संचालन सुनिश्चित करता है बल्कि चुनाव में पार्टी की अगुआई करते हुए उसे शानदार जीत भी दिलाता है, तो उन्हें मुख्यमंत्री की भूमिका सौंपी जा रही है तो अपनी पात्रता तो वह पहले ही अच्छी तरह सिद्ध कर चुके हैं, अब तो शासन के नये मानक गढ़ने है।

यह स्पष्ट है कि देवेंद्र फडणवीस के राजनीतिक जीवन के नए दौर की शुरुआत संभावनाभरी है। भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद उन्होंने अपने भाषण में हिंदवी स्वराज से लेकर अहिल्याबाई होलकर का नाम लेकर अपनी राजनीतिक धारा को बिल्कुल स्पष्ट किया। चुनाव प्रचार के दौरान भी उनकी छवि आत्मविश्वास से भरे हिंदुत्ववादी शुद्ध स्वयंसेवक भाजपा नेता की बनी। उन्होंने कट्टरपंथी मुस्लिम नेताओं और उनको समर्थन देने वाले महाविकास आघाड़ी के विरुद्ध लगातार प्रखर प्रहार से अपनी छवि वर्तमान राजनीतिक धारा के अनुरूप बनाई। चुनाव के समय लगा था कि एक हैं तो सेफ हैं और बंटेंगे तो कटेंगे नारे को लेकर महायुति में मतभेद के बावजूद उन्होंने गजब का संतुलन बनाते हुए इन नारों के बल पर महायुति की जीत को उच्च शिखर देकर सबको आश्चर्यचकित किया। महायुति सरकार की नई पारी पिछली पारी जैसी सहजता और स्थिरता दिखा पाएगी या नहीं यह सवाल तो खड़ा ही है, लेकिन इस सवाल को नकारते हुए नयी सरकार अपना पूरा कार्यकाल उतार-चढ़ाव के बावजूद निष्कंटक पार करेगी। दो पुरानी और सुगठित राजनीतिक पार्टियों में हुई असाधारण तोड़फोड़ के परिणास्वरूप बनी महायुति ने हालांकि 2024 विधानसभा चुनावों में अपनी सार्थकता सिद्ध कर दी है और इसलिए अब इसे किसी भी रूप में कृत्रिम गठबंधन नहीं कहा जा सकता। फिर भी नए मुख्यमंत्री और भाजपा नेतृत्व को सहयोगी दलों को साथ लेकर चलने और किसी भी असंतोष से बचने पर खास ध्यान देना होगा।

फडणवीस का राजनीतिक जीवन अनेक विशेषताओं एवं उपलब्धियों से भरा रहा है। उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के माध्यम से उसकी शुरुआत की। उनके पिता स्व. गंगाधरराव फडणवीस विधान परिषद सदस्य थे। लेकिन इस राजनीतिक विरासत का सहारा लेने के स्थान पर फडणवीस ने अपनी खुद की पहचान बनाई। सामान्य कार्यकर्ता की तरह खुद को तराशा। वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। वे भारत के इतिहास में उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने सिर्फ अपने नाम, व्यक्तित्व और करिश्मे के बूते पर न केवल सरकार बनाई बल्कि एक नयी सोच की राजनीति को पनपाया, पारदर्शी एवं सुशासन को सुदृढ़ किया।

2014 में पहली बार महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनने के बाद फडणवीस अपनी कल्पनाशीलता, दूरदर्शिता, दृढ़संकल्प, राजनीतिक कौशल एवं अभिनव परियोजनाओं के माध्यम से उन्होंने अपनी असीम क्षमताओं को आकार दिया। उनकी नेतृत्व क्षमता और लोकप्रियता का अंदाज इसी बात से लगाया जा सकता है कि 2014, 2019 और 2024 के विधानसभा के चुनाव भाजपा ने फडणवीस के नेतृत्व में लड़े और शानदार प्रदर्शन किया, तीनों बार भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। 2019 में उनके नेतृत्व में भाजपा की चुनावी जीत के बावजूद अविभाजित शिवसेना के मुखिया उद्धव ठाकरे की जिद के कारण वह मुख्यमंत्री नहीं बन पाए, हालांकि राकांपा नेता अजित पवार के साथ मिलकर उस वक्त उन्होंने तीन दिन की सरकार जरूर बनाई। यह प्रयोग विफल होने के बाद उनके विरोधियों ने उनकी रणनीतिक क्षमता पर सवाल भी उठाए थे लेकिन देवेंद्र फडणवीस को अपनी क्षमता पर पूरा भरोसा था और उन्होंने कहा भी था कि वे पूरे जोश से आयेंगे, तमाम तूफानों के बीच से विजेता की तरह फिर उभरेंगे। ऐसा उन्होंने करके दिखाया। भाजपा को प्रचंड बहुमत दिलाने के बावजूद फडणवीस को मुख्यमंत्री पद हासिल करने के लिए खासी जद्दोजहद करनी पड़ी है। भाजपा के प्रदर्शन में फडणवीस ने अपने योगदान का पुरजोर दावा किया है। वे चुनाव-प्रचार अभियान के दौरान पार्टी का मुख्य चेहरा थे और उन्होंने राज्य के सभी छह क्षेत्रों में 64 रैलियां कीं। उनको मिली शानदार सफलता में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से उन्हें मिला अटूट समर्थन था। संघ इस बात पर अड़ा हुआ था कि भाजपा को कार्यकर्ताओं का मनोबल ऊंचा रखने के लिए इस बार मुख्यमंत्री पद के लिए राजस्थान, छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश की तरह लो-प्रोफाइल नेता नहीं चाहिए और फडणवीस ही इस पद के लिए उसकी पहली पसंद हैं। शाह, योगी और फडणवीस- इन तीनों के सामने अभी बहुत वर्षों की राजनीति शेष है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की ओर बढ़ते हुए फडणवीस को ऐसे सर्वमान्य व्यक्ति के रूप में देखा जाता है, जो खींचतान और दबाव के बीच संतुलन बनाए रखते हैं, उनमें हर बड़ी-से-कड़ी जिम्मेदारी को निभाने की क्षमता है। इस विधा में उनके कौशल का परीक्षण अब महाराष्ट्र में तीन-पक्षीय गठबंधन सरकार के नेतृत्व से होने जा रहा है।

यह निजी विचार है।

विपक्ष संभल पर आक्रमक तो बांग्लादेश पर खामोश क्यों

संजय सक्सेना,लखनऊ

उत्तर प्रदेश के जिला संभल में जामा मस्जिद और हरिहर मंदिर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसकी आहट सुप्रीम अदालत से नेताओं के विवादित बयानों से लेकर राजनैतिक गलियारों तक में सुनाई दे रही है। बीजेपी को छोड़कर सभी राजनैतिक दलों के नेता जामा मस्जिद और पत्थरबाजों के पैरोकार बनकर खड़े हो गये हैं। हाथ में पत्थर और तमंचे लेकर पुलिस पर हमला करने वालों के पक्ष में खड़े यह नेता लगातार योगी सरकार और स्थानीय प्रशासन के खिलाफ हमलावर हैं। सभी दलों के नेताओं ने संभल को अपना पिकनिक स्पाट बना लिया है। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी हों या फिर समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव जैसे तमाम नेता कभी संभल कूच करने का नाटक करते हैं तो कभी अफवाह फैलाकर माहौल खराब कर रहे हैं। संभल के बिगड़े हालात को संभालने के लिये स्थानीय प्रशासन ने 10 दिसंबर तक जिले में बाहरी लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंद्ध लगा रखा है,लेकिन बीजेपी विरोधी नेताओं को जिले में शांति बरकरार हो इससे ज्यादा चिंता अपनी राजनीति चमकाने की है। इस समय संभल में सियासी नजरा ठीक वैसे ही नजर आ रहा है जैसा कभी अयोध्या प्रभु श्रीराम लला के मंदिर निर्माण आंदोलन, मथुरा में श्री कृष्ण भगवान की जन्म स्थली एवं वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद बनाम साक्षात विश्वनाथ मंदिर मामले में देखने को मिला था और मिल रहा है। संभल विवाद और इसको लेकर हिंसा का मामला लोकसभा तक में गूंज चुका है।

कुल मिलाकर संभल विवाद के सहारे सपा प्रमुख अखिलेश यादव,कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अलावा ओवैसी जैसे नेता भी अपनी सियासत चमकाने में लगे हैं। मगर अफसोस की बात यह है कि संभल मामले में मोदी-योगी सरकार को घेरने में लगे दल और नेता बांग्लादेश में हिन्दुओं के साथ जारी हिंसा को लेकर अपने होंठ सिले हुए हैं;मानो यदि इन नेताओं ने बांग्लादेश के हिन्दुओं के पक्ष में कोई बयान दे दिया तो उनका मुस्लिम वोट बैंक उनसे खिसक जायेगा। हां, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जरूर बांग्लादेशी हिन्दुओं के प्रति खुल कर बोल रही हैं। ममता ने मोदी सरकार से सख्त कदम उठाने की भी बात कही है। वहीं बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा और इस्कॉन से जुड़े संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के विरोध में सोमवार 02 दिसंबर को बंगाल में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं, आम लोगों, भिक्षुओं ने आंदोलन किया। इन लोगों ने बांग्लादेश की सीमा पर पहुंचकर तमाम ट्रकों को रोके रखा, जो माल लेकर जा रहे थे। इसके चलते लगभग पूरे दिन ही बांग्लादेश के साथ कारोबार प्रभावित रहा। हजारों लोगों ने चिन्मय कृष्ण दास की बिना शर्त रिहाई की मांग को लेकर भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा के पेट्रोपोल पर 24 घंटे के लिए मालवाहक वाहनों को रोके रखा।प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब तक बांग्लादेश सरकार हिंदुओं और उनके मंदिरों पर हमले रोकने के लिए कार्रवाई नहीं करती तथा श्री दास को रिहा नहीं करती, तब तक पेट्रापोल सीमा पर आंदोलन जारी रहेगा। अखिल भारतीय संत समिति के बंगाल चौप्टर के अध्यक्ष स्वामी परमात्मानंद ने भी कहा कि जब तक बंगलादेश की पुलिस हिंदुओं और मंदिरों पर हो रहे हमले को रोकने के लिए कार्रवाई नहीं करती, तब तक पेट्रापोल सीमा पर उनका आंदोलन जारी रहेगा।

आश्चर्य तो इस बात का भी जो विदेशी एजेंसियां हिन्दुस्तान में मुसलमानों पर अत्याचार के मनगढ़त मामले बनाकर हो हल्ला मचाते हैं,उन्हें बंग्लादेश में हिन्दुओं के साथ हो रहा खून खराब नहीं दिख रहा है। बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रही हिंसा के मामले में मोदी सरकार ने जरूर चिंता जताई है और बांग्लादेश सरकार से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा करने की मांग की है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संसद में कहा था कि केंद्र सरकार ने बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के ख़िलाफ़ हिंसा की घटनाओं को गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा करना बांग्लादेश सरकार की ज़िम्मेदारी है। इसके अलावा, भारत ने बांग्लादेश सरकार से हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर हमलों के मुद्दे को लगातार उठाने की मांग की है.

अच्छी बात यह है कि भले ही देश के नेता बांग्लादेशी हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार से दूरी बनाकर चल रहे हों लेकिन बंग्लादेश की अपदस्थ की गई पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना लगातार बांग्लादेश में हिन्दुओं पर किये जा रहे अत्याचार के खिलाफ मुखर हैं। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के खिलाफ हिंसा का दौर जारी है। दुनिया भर में कृष्ण भक्ति का प्रचार-प्रसार करने वाली संस्था आइसकौन से जुड़े संत चिन्मय कृष्णदास को जेल भेजा गया है। उन पर हिंसा भड़काने के आरोप लगाए गए हैं। इसके खिलाफ भी बांग्लादेश में हिंदुओं के बीच गुस्सा है। इस बीच पूर्व पीएम शेख हसीना ने आरोप लगाया है कि बांग्लादेश में हिन्दुओं केहे नरसंहार के जिम्मेदार अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस हैं। शेख हसीना ने तो मोहम्मद यूनुस को बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा का मास्टरमाइंड बताया है।

शेख हसीना ने अवामी लीग के एक कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि मंदिरों, चर्चों पर हमले के पीछे मोहम्मद यूनुस का हाथ है। वह इन घटनाओं के पीछे मास्टरमाइंड की तरह काम कर रहे हैं। 5 अगस्त को तख्तापलट के बाद भारत आईं शेख हसीना ने कहा कि आज मेरे ऊपर आरोप लगाए जाते हैं कि मैंने नरसंहार कराया है। लेकिन असलियत यह है कि मोहम्मद यूनुस ऐसा कर रहे हैं। वह पूरे डिजाइन के साथ काम कर रहे हैं। छात्र संगठनों के नाम पर वह सत्ता में हैं और अब अल्पसंख्यकों की हत्याएं कराई जा रही हैं। वह इसके मास्टरमाइंड हैं। यहां तक कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के लीडर तारिक रहमान भी कह चुके हैं कि हत्याएं जारी रहीं तो सरकार नहीं चलेगी।

बता दें कि तारिक रहमान बांग्लादेश नेशनल पार्टी की नेता बेगम खालिदा जिया के बेटे हैं। बांग्लादेश में जब तक शेख हसीन की सरकार रही तब तक बंग्लादेश और भारत के संबंध काफी अच्छे थे। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनने के बाद से पाकिस्तान की ओर झुकाव बढ़ा है। बंग बंधु मीजबुर रहमान की प्रतिमा पर हमला हुआ था और उनकी तस्वीरों को दफ्तरों से हटाया गया है। यही नहीं बांग्लादेश निर्माण के नायकों से जुड़े दिनों पर छुट्टियों को भी रद्द किया गया है। हिंदुओं पर भी यह कहते हुए हमले हो रहे हैं कि ये शेख हसीना की सरकार के समर्थक थे। कई बड़ी हिंदू हस्तियों के घरों और आराधनों स्थलों तक पर अटैक की घटनाएं हुई हैं। दरअसल, बांग्लादेश में जहां सन् 1947 तक 40 फीसद से कहीं अधिक हिंदू जनसंख्या निवास कर रही थी। यहां के सभी 65 जिलों में हिन्दू आबादी निवास करती है। इन कारणों का विचार करें तो वर्तमान का बांग्लादेश जिस भूमि पर अवस्थित है वो अतीत के कई भारतीय रजवाड़ों की भूमि से मिलकर बना है। इससे असम के अहोम, मेघालय के जयंतिया और त्रिपुरा के त्रिपुरी हिंदू राजशाही का भी कुछ हिस्सा रहा है।

खैर जामा मस्जिद या हरिहर मंदिर विवाद के मामले में गैर बीजेपी दलों के नेता जिस तरह से जमीन आसमान एक किये हुए हैं,उसकी तह में जाया जाये तो जो हकीकत सामने आती है उसके अनुसार मुरादाबाद गजेटियर 1968 के प्रकाशन में हरिहर मंदिर का निर्माण पृथ्वीराज चौहान के द्वारा करवाया गया था जिसे बाद में मुग़ल शासकों द्वारा तोड़ दिया गया था। गजेटियर में लिखा गया है कि जामा मस्जिद का भवन हिंदू मंदिर जैसा है। दावा किया गया है कि प्राचीन टीले पर बना भवन, जो कि बाबर मस्जिद के नाम से जाना जाता है वह हरिहर मंदिर हो सकता है। आईने अकबरी में भी विष्णु मंदिर होने का जिक्र है। मौजूदा समय में इस भवन को बाबर मस्जिद कहा जाता है। साथ ही लिखा गया है कि मस्जिद का प्रारूप हिंदू मंदिर जैसा है. गजेटियर के मुताबिक भवन तक पहुंचने के लिए 55 सीढ़ियां है. वहां एक बड़ा टैंक एवं प्रवेश द्वार पर कुआं है। भवन में मौजूद फारसी अभिलेख को मुरादाबाद गजेटियर में संदेहास्पद बताया गया है, जिसके मुताबिक इसका निर्माण 1526 में हिंदू बेग द्वारा बाबर के आदेश पर करवाया गया था। हालांकि विवाद सामने आने के बाद कई तरह के दावे सामने आ रहे हैं।

लब्बोलुआब यह है कि न जाने हमारे देश के नेता कौन सा चश्मा लगाते हैं जिसकी वजह से उन्हें दुनिया के किसी भी कोने में मुस्लिमों के साथ होने वाला कथित अन्याय तो दिखता है,लेकिन देश-दुनिया में हिन्दुओं के साथ होने वाली हिंसा नजर नहीं आती है।

यह निजी विचार है।

सुगम्य भारत अभियान : नौ वर्षों की प्रगति की झलक और आगे की राह

इससे बेहतर संयोग नहीं हो सकता है, जैसे ही हम अति महत्वाकांक्षी सुगम्य भारत अभियान (सुगम्य भारत अभियान) के नौ साल पूरे होने का उत्सव मनाने, विश्लेषण करने और उस पर विचार करने की तैयारी कर रहे हैं, ठीक उसी दरम्यान सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया जो इसके उद्देश्य को मजबूत करता है। सुप्रीम कोर्ट ने 8 नवंबर को केंद्र सरकार को दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 की धारा 40 के तहत अनिवार्य नियम बनाने का निर्देश दिया। यह निर्देश जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सार्वजनिक स्थान और सेवाएं दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सुलभ हों, भारत की समावेशिता की खोज को नया प्रोत्साहन प्रदान करता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2015 में उत्साह और दूरदर्शिता के साथ सुगम्य भारत अभियान की शुरुआत की गई। अभियान का उद्देश्य देशभर में दिव्यांगजनों के लिए बाधा रहित और सुखद/अनुकूल वातावरण तैयार करना है। साथ ही परिवहन प्रणालियों और सूचना और संचार पारिस्थितिकी तंत्र में पहुंच सुनिश्चित करना है।

यह अपनी तरह का पहला राष्ट्रव्यापी प्रयास था, जिसमें योजनाबद्ध तरीके से टियर 1 शहरों में 50 सबसे महत्वपूर्ण भवनों और टियर 2 शहरों में 25 प्रमुख भवनों को पूर्ण रूप से सुगम्यता के लिए लक्षित किया गया था।

मुझे राज्यों के मुख्य सचिवों द्वारा बुलाई गई कई उच्च-स्तरीय बैठकों में भाग लेने की बातें याद हैं। उन बैठकों में विभागों को प्रगति की निगरानी करने और अपने-अपने क्षेत्रों में सुगम्यता उपायों को अपडेट करने का काम सौंपा गया था। इन सत्रों ने सरकार के इरादे की गंभीरता को सुदृढ़ किया और ऐसी परिवर्तनकारी पहल के लिए आवश्यक प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। चंडीगढ़ जैसे शहर जो अपनी बेहतर शहरी योजना के लिए जाने जाते हैं और भुवनेश्वर जो अपनी सुलभता पहल के लिए प्रसिद्ध हैं, इस अभियान के प्रेरक उदाहरण के रूप में उभरे कि इस अभियान द्वारा क्या हासिल किया जा सकता है।

फिर भी अपने अभूतपूर्व दृष्टिकोण के बावजूद इस अभियान को विशेष रूप से राज्य स्तर पर महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ा। सुगम्यता राज्य का विषय है, ऐसे में इसके कारण कार्यान्वयन का अधिकांश बोझ राज्यों पर पड़ता है, जिनमें से कई राज्यों को महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संघर्ष करना पड़ा। सीमित जवाबदेही तंत्र और केंद्र व राज्य सरकारों के बीच समन्वय की कमी ने प्रगति को और बाधित किया। अभियान के महत्वाकांक्षी लक्ष्य कई क्षेत्रों में पूरे नहीं हुए जैसे सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को फिर से तैयार करना और डिजिटल पहुंच को बढ़ावा देना।

समय पर सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप से इस मिशन में नई तात्कालिकता आ गई। सिफारिशों को कानूनी अधिदेशों में परिवर्तित करके कोर्ट का निर्णय यह सुनिश्चित करता है कि सुगम्य भारत अभियान को गति खोने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

आगे बढ़ने को लेकर व्यक्तिगत दृष्टिकोण

अभियान की यात्रा पर विचार करते हुए मेरा मानना है कि सुगम्य भारत 2.0 को स्वच्छ भारत अभियान जैसी सफल पहल के समान एक मिशन-मोड दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। इसके दृष्टिकोण को वास्तविकता में बदलने के लिए मजबूत हितधारक जुड़ाव, स्पष्ट जवाबदेही तंत्र और प्राप्त करने योग्य समयसीमा महत्वपूर्ण हैं। प्रोत्साहन परिवर्तन के प्रमुख संचालक होंगे। उदाहरण के लिए विश्वविद्यालय एनएएसी मान्यता के लिए सुगम्यता को एक मानदंड बना सकते हैं, जबकि उद्योग, स्थानीय सरकार और सार्वजनिक संस्थानों को सार्वभौमिक डिजाइन सिद्धांतों को अपनाने के लिए पुरस्कृत किया जा सकता है।

अभियान का फोकस भौतिक बुनियादी ढांचे से लेकर उत्पादों, सेवाओं और डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र तक होना चाहिए। निजी क्षेत्र में सरकारी प्रयासों को पूरा करने की अपार संभावनाएं हैं। कंपनियां अपने कार्यालयों, उत्पादों और सेवाओं में समावेशी डिजाइन सिद्धांतों को अपना सकती हैं, जबकि दिव्यांग लोगों के संगठन (डीपीओ) के साथ साझेदारी दिव्यांग लोगों की जरूरतों में मूल्यवान अंतर्दृष्टि या जानकारी प्रदान कर सकती है। सुगम्यता को सामाजिक प्रतिबद्धता और व्यावसायिक रणनीति दोनों के रूप में पहचानना परिवर्तनकारी होगा।

चिंतन से कार्रवाई तक

नौ वर्षों के सुगम्य भारत अभियान ने एक मजबूत नींव रखी है, लेकिन यह स्पष्ट है कि अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय आकांक्षा से कार्रवाई की ओर बढ़ने का एक स्पष्ट आह्वान है, जिससे सुगम्यता को राष्ट्रीय प्राथमिकता दी गई है। सफलता के लिए हमें हर स्तर पर सामूहिक प्रयास करने की जरूरत है। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकारों को श्रेणीबद्ध तरीके से रणनीति बनानी चाहिए, नागरिक समाज संगठनों को इसे बढ़ावा देना चाहिए, निजी क्षेत्र को नवाचार करना चाहिए और सुगम्यता में निवेश करना चाहिए। साथ ही मीडिया को इन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जिसने पिछले कुछ वर्षों में सुगम्य भारत अभियान को विकसित होते देखा है, मैं इसकी क्षमता के प्रति काफी आशान्वित हूं। कार्यान्वयन, हितधारक गठबंधन और सतत प्रगति पर अधिक ध्यान देने के साथ सुगम्य भारत 2.0 एक समावेशी राष्ट्र के निर्माण के लिए एक शक्तिशाली उत्प्रेरक बन सकता है। एक ऐसे भारत का सपना जहां सुगम्यता केवल एक आदर्श नहीं है बल्कि सभी के लिए एक वास्तविकता है - अगर हम दृढ़ संकल्प और उद्देश्य के साथ इस क्षण का लाभ उठाते हैं।

अरमान अली - लेखक कार्यकारी निदेशक (एनसीपीईडीपी) नई दिल्ली हैं

नैफिथ्रोमाइसिन : देश का पहला स्वदेशी एंटीबायोटिक

पीआईबी ।

नैफिथ्रोमाइसिन की सफलता इस बात का प्रमाण है कि भारत की स्वास्थ्य सेवा संबंधी चुनौतियों के लिए स्वदेशी समाधान विकसित करने की क्षमता बढ़ा रही है।

एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध लंबे समय से एक बढ़ती वैश्विक चिंता का विषय रहा है, दवा कंपनियां दुनिया भर में इससे निपटने के लिए नई दवाएं विकसित करने का प्रयास कर रही हैं। वर्षों की चुनौतियों और अथक प्रयासों के बाद अंततः एक सफलता मिली है। तीन दशकों के शोध और कड़ी मेहनत के बाद भारत ने पहली स्वदेशी मैक्रोलाइड एंटीबायोटिक नैफिथ्रोमाइसिन का निर्माण किया है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध के खिलाफ लड़ाई में फार्मास्युटिकल नवाचार में भारत की बढ़ती क्षमताओं को दर्शाता है।

एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध के खिलाफभारत की लड़ाई

रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) तब होता है जब बैक्टीरिया, वायरस, कवक और परजीवी रोगाणुरोधी दवाओं पर प्रतिक्रिया नहीं करते हैं। दवा प्रतिरोध के परिणामस्वरूप एंटीबायोटिक्स और अन्य रोगाणुरोधी दवाएं अप्रभावी हो जाती हैं और संक्रमण का इलाज करना मुश्किल या असंभव हो जाता है। इससे बीमारी फैलने, गंभीर बीमारी, विकलांगता और मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है। जबकि एएमआर समय के साथ रोगाणु में आनुवंशिक परिवर्तनों द्वारा संचालित एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, इसका प्रसार मानवीय गतिविधियों, विशेष रूप से मनुष्यों, जानवरों और पौधों में रोगाणुरोधी दवाओं के अति प्रयोग और दुरुपयोग से काफी तेज हो जाता है। रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) एक प्रमुख वैश्विक स्वास्थ्य मुद्दा बन गया है, भारत में हर साल लगभग 6 लाख लोगों की जान प्रतिरोधी संक्रमणों के कारण जाती है। हालांकि भारत एएमआर को संबोधित करने में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है, विशेष रूप से नई दवाओं के विकास के माध्यम से। चरण 3 नैदानिक ??परीक्षणों के लिए जैव प्रौद्योगिकी उद्योग

अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी) बायोटेक उद्योग कार्यक्रम के अंतर्गत 8 करोड़ रुपये के वित्त पोषण के साथ विकसित नेफिथ्रोमाइसिन के एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। नैफिथ्रोमाइसिन बेहतर रोगी अनुपालन प्रदान करता है और एएमआर से निपटने में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नैफिथ्रोमाइसिन: सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए मील का पत्थर – नैफिथ्रोमाइसिन को आधिकारिक तौर पर 20 नवंबर 2024 को केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह द्वारा शुरू किया गया था। बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री रिसर्च असिस्टेंस काउंसिल (बीआईआरएसी) के समर्थन से वॉकहार्ट द्वारा विकसित नैफिथ्रोमाइसिन को ÷मिक्नाफ÷ के रूप में विपणन किया जाता है। दवा-प्रतिरोधी बैक्टीरिया के कारण होने वाले सामुदायिक-अधिग्रहित जीवाणु निमोनिया (सीएबीपी) को लक्षित करता है। यह बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों को प्रभावित करता है।

यह अभूतपूर्व एंटीबायोटिक एज़िथ्रोमाइसिन जैसे वर्त्तमान उपचारों की तुलना में दस गुना अधिक प्रभावी है और तीन-दिन के उपचार से रोगी में सुधार होने के साथ-साथ ठीक होने का समय भी काफी कम हो जाता है। नेफिथ्रोमाइसिन को विशिष्ट और असामान्य दोनों प्रकार के दवा प्रतिरोधी बैक्टीरिया के इलाज के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह इसे एएमआर (एंटी-माइक्रोबियल रेजिस्टेंस) के वैश्विक स्वास्थ्य संकट के समाधान में एक महत्वपूर्ण बनाता है। इसमें बेहतर सुरक्षा, न्यूनतम दुष्प्रभाव और कोई दवा पारस्परिक प्रभाव नहीं होता है।

नेफिथ्रोमाइसिन का विकास एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है, क्योंकि यह 30 से अधिक वर्षों में वैश्विक स्तर पर पेश किया गया, अपनी श्रेणी का पहला नया एंटीबायोटिक है। अमेरिका, यूरोप और भारत में व्यापक नैदानिक ??परीक्षणों से गुजरने वाली इस दवा को 500 करोड़ रुपये के निवेश से विकसित किया गया है। अब केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) से अंतिम मंजूरी का इंतजार है।

यह नवाचार सार्वजनिक-निजी सहयोग की शक्ति का उदाहरण है और जैव प्रौद्योगिकी में भारत की बढ़ती क्षमताओं को दिखता है। नैफिथ्रोमाइसिन का सफल आगमन एएमआर के खिलाफ लड़ाई में एक बड़ी उपलब्धि है। यह बहु-दवा प्रतिरोधी संक्रमणों के इलाज और दुनिया भर में जीवन बचाने की उम्मीद प्रदान करता है।

एएमआर से निपटने के लिए सरकार की अन्य पहल

भारत सरकार ने नैफिथ्रोमाइसिन को विकसित करने के अलावा निगरानी, ??जागरूकता और सहयोग के उद्देश्य से रणनीतिक पहलों की एक श्रृंखला के माध्यम से रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) का मुकाबला करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। ये प्रयास एएमआर नियंत्रण को बढ़ाने, संक्रमण नियंत्रण में सुधार करने और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी को बढ़ावा देने पर केंद्रित हैं।

निगरानीऔर रिपोर्टिंग: देश भर में प्रयोगशालाओं सहित राष्ट्रीय निगरानी नेटवर्क स्थापित किए गए हैं। यह वार्षिक एएमआर निगरानी रिपोर्ट तैयार करते हैं। इसमें डेटा ग्लोबल एएमआर निगरानी प्रणाली को प्रस्तुत किया जाता है।

जागरूकता और प्रशिक्षण: रोगाणुरोधी, हाथ की स्वच्छता और संक्रमण की रोकथाम के विवेकपूर्ण उपयोग पर जागरूकता सामग्री विकसित की गई है और हितधारकों के साथ साझा की गई है। संक्रमण की रोकथाम पर राष्ट्रीय दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं और सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में ÷प्रशिक्षक को प्रशिक्षित करने÷ का कार्यक्रम चलाया गया है। राज्य स्तर पर प्रशिक्षण जारी है।

प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केन्द्रों पर नैनो यूरिया उपलब्ध

सरकार ने जैव प्रभावकारिता परीक्षणों और विष विज्ञान परीक्षणों के आधार पर उर्वरक नियंत्रण आदेश (एफएसीओ)- 1985 के तहत नैनो डीएपी को अधिसूचित किया है। मेसर्स कोरोमंडल इंटरनेशनल लिमिटेड (सीआईएल), मेसर्स जुआरी फार्म हब लिमिटेड और मेसर्स इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड (इफ्को) को नैनो डीएपी के निर्माण की अनुमति दी गई है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने बताया है कि इफ्को और सीआईएल ने नैनो डीएपी विकसित किया है और चुनिंदा आईसीएआर संस्थानों/राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में पहचान के आधार पर फसलों पर प्रारंभिक क्षेत्र परीक्षण किए हैं। रिपोर्ट में संकेत दिया गया है कि नैनो डीएपी के बीज उपचार और पत्तियों पर छिड़काव के रूप में उपयोग से पारंपरिक रूप से इस्तेमाल किए जाने वाले दानेदार डीएपी की बचत की संभावना है। नैनो यूरिया के उपयोग को जागरूकता शिविर, वेबिनार, नुक्कड़ नाटक, क्षेत्र प्रदर्शन, किसान सम्मेलन और क्षेत्रीय भाषाओं में फिल्मों आदि जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बढ़ावा दिया जाता है।

शार्ट न्यूज

कलिंगा विश्वविद्यालय में विज्ञान कार्य मॉडल प्रतियोगिता 3.0 का आयोजन

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर मध्य भारत में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में उभरा है। स्मार्ट सिटी न्यू रायपुर में रणनीतिक रूप से स्थित इस विश्वविद्यालय ने शिक्षा के क्षेत्र में अपने लिए एक अलग पहचान बनानी शुरू कर दी है और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के क्षितिज पर एक चमकते सितारे के रूप में उभर रहा है।

2013 में स्थापित यह विश्वविद्यालय 12000 से अधिक छात्रों का विश्वास पाने में सक्षम रहा है। पूरे देश और विभिन्न विदेशी देशों जैसे अफगानिस्तान, अंगोला, बांग्लादेश, कैमरून, गाम्बिया, आइवरी कोस्ट, केन्या, लेसोथो, लाइबेरिया, मलावी, नामीबिया, नेपाल, नाइजीरिया, पापुआ न्यू गिनी, दक्षिण सूडान, स्वाजीलैंड, तंजानिया, युगांडा, जाम्बिया और जिम्बाब्वे आदि से मेधावी छात्रों ने अपनी शिक्षा और कैरियर के लिए इस विश्वविद्यालय को चुना है।

वर्तमान में, विश्वविद्यालय विभिन्न स्कूलों के माध्यम से छात्र समुदाय को कला और मानविकी, जैव प्रौद्योगिकी, वाणिज्य और प्रबंधन, यूएक्स डिजाइन, इंजीनियरिंग, फैशन डिजाइन, सूचना प्रौद्योगिकी, इंटीरियर डिजाइन, पत्रकारिता और जनसंचार, कानून, पुस्तकालय विज्ञान, फार्मेसी, विज्ञान, शिक्षा और योग जैसे यूजी और पीजी कार्यक्रम प्रदान कर रहा है। इसमें विभिन्न क्षेत्रों में डॉक्टरेट अनुसंधान कार्यक्रमों के लिए एक केंद्र भी है।

कलिंगा विश्वविद्यालय, नया रायपुर, छत्तीसगढ़ भर के स्कूलों और कॉलेजों को विज्ञान कार्यशील मॉडल प्रतियोगिता 3.0 में भाग लेने के लिए आमंत्रित करते हुए प्रसन्न है, जो एक रोमांचक आयोजन है ।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना

लोकशक्ति । केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 31 मार्च 2021 को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआईएसएफपीआई) को 10,900 करोड़ के बजट के साथ स्वीकृति दी थी। इस योजना को 2021-22 से 2026-27 तक लागू किया जाना है। इस योजना के तहत 171 आवेदकों को नामांकित किया गया है। पीएलआईएसएफपीआई के तहत लाभार्थी चयन प्रक्रिया एक बार की प्रक्रिया के रूप में आयोजित की गई थी, जिसके पहले सक्रिय हितधारक जुड़ाव और व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए व्यापक रूप से प्रचार किया गया था। विनिर्माण प्रक्रिया में देश में उगाए गए कृषि उत्पादों (योज्य, स्वाद और खाद्य तेलों को छोड़कर) के उपयोग को अनिवार्य करते हुए इस योजना ने स्थानीय कच्चे माल की खरीद में काफी वृद्धि की है, जिससे अविकसित और ग्रामीण क्षेत्रों को लाभ मिला है और साथ ही किसानों की आय में भी वृद्धि हुई है। इसके अलावा, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के लिए कच्चे माल के स्थानीय उत्पादन पर बल देने से अतिरिक्त ऑफफार्म रोजगार के अवसरों का सृजन हुआ है और यह ग्रामीण क्षेत्रों के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इस योजना ने घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देकर, मूल्य संवर्धन को बढ़ते हुए कच्चे माल के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देकर और रोजगार के अवसरों का सृजन करके देश के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह योजना बड़ी कंपनियों, बाजरा आधारित उत्पादों, नवीन और जैविक उत्पादों के साथ-साथ छोटे और मध्यम उद्यमों का समर्थन करती है, साथ ही वैश्विक स्तर पर भारतीय ब्रांडों को बढ़ावा देती है।

कृषि के लिए डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना : किसान आईडी बनाने गुजरात अग्रणी

पीआईबी7

भारत सरकार ने 02 सितंबर, 2024 को घोषित डिजिटल कृषि मिशन के अंतर्गत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) का निर्माण करने की दिशा में आगे बढ़ते हुए एक ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त की है। गुजरात राज्य 05 दिसंबर 2024 को किसानों की लक्षित संख्या का 25 प्रतिशत किसान आईडी बनाने वाला देश का पहला राज्य बन चुका है। यह सफलता भारत सरकार की 'एग्री स्टैक पहल' के एक भाग के रूप में एक व्यापक मानक-संचालित डिजिटल कृषि पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रदर्शन करता है।

किसान आईडी, आधारकार्ड पर आधारित किसानों की एक अनूठी डिजिटल पहचान है, जो राज्य की भूमि रिकॉर्ड प्रणाली से सक्रिय रूप से जुड़ी हुई है, जिसका मतलब है कि किसान आईडी एक व्यक्तिगत किसान के भूमि रिकॉर्ड विवरण में बदलाव के साथ-साथ स्वचालित रूप से अपडेट होती है। डिजिटल कृषि मिशन के अंतर्गत डिजिटल रूप से प्राप्त फसल आंकड़े प्राप्त करने के साथ किसान आईडी का उद्देश्य निम्नलिखित किसान-केंद्रित लाभ प्रदान करना है:

सरकारी योजनाओं तक आसान एवं निर्बाध पहुंच।

सुव्यवस्थित कागज रहित एवं संपर्क रहित फसल ऋण और ऋण, जिसे एक घंटे के अंदर संसाधित किया जा सकता है।

किसान की आवश्यकता के अनुसार वैयक्तिगत कृषि विस्तार

सेवाएं।

प्रत्यक्ष एवं पारदर्शी लाभ हस्तांतरण।

डिजिटल पहचान, कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि एवं सूचित नीति-निर्माण के लिए एक परिवर्तनकारी उपकरण के रूप में भी कार्य करेगा, जिससे अभिनव किसान-केंद्रित समाधान विकसित किए जा सके, कुशल कृषि सेवा वितरण सुनिश्चित किया जा सके और कृषि परिवर्तन के लिए एक डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण किया जा सके, जिसका लक्ष्य चिरस्थायी कृषि पर ध्यान केंद्रित करते हुए किसानों की आय में बढ़ोत्तरी करना है। किसान आईडी निर्माण के लिए व्यापक कवरेज सुनिश्चित करने के लिए, भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने राज्यों के लिए एक बहु-आयामी रणनीति विकसित की है।

ये मोड किसान पहचान पत्र तैयार करने वाले चैनल हैं जैसे कि सेल्फमोड (मोबाइल का उपयोग करके किसानों द्वारा स्व-पंजीकरण), सहायक मोड (प्रशिक्षित जमीनी कार्यकर्ता/स्वयंसेवकों द्वारा सहायता प्राप्त पंजीकरण), कैंप मोड (ग्रामीण क्षेत्रों में समर्पित पंजीकरण शिविर), सीएससी मोड (सामान्य सेवा केंद्रों के माध्यम से पंजीकरण) आदि।

डिजिटल कृषि मिशन ने किसान रजिस्ट्री बनाने के लिए प्रोत्साहन के रूप में कृषि के लिए डीपीआई एवं पूंजीगत परियोजनाओं हेतु विशेष केंद्रीय सहायता पर समझौता ज्ञापन के माध्यम से कृषि क्षेत्र के लिए डीपीआई निर्माण के लिए राज्यों और केंद्र सरकार के बीच एक सहयोगी प्रयास को सक्षम बनाया है। इसके अलावा, डिजिटल कृषि मिशन के अंतर्गत, केंद्र सरकार तकनीकी दिशा-निर्देश, संदर्भ अनुप्रयोग एवं कंप्यूटिंग क्षमता प्रदान कर, क्षमता बढ़ाकर एवं प्रशिक्षण प्रदान कर राज्यों को सक्षम बना रही है।

हिमालय की ऊंचाइयां अंतरिक्ष में भारत की 'ऊंची छलांग' के लिए उपयुक्त : अध्ययन

लोकशक्ति

भारतीय उपमहाद्वीप के लिए एक अग्रणी अध्ययन में, वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष में क्वांटम संकेतों को भेजने के लिए इष्टतम स्थानों का मानचित्रण किया है।

क्वांटम कुंजी वितरण (क्यूकेडी) सहित उपग्रह-आधारित क्वांटम संचार वैश्विक स्तर के क्वांटम संचार की दिशा में सबसे आशाजनक दृष्टिकोणों में से एक का प्रतिनिधित्व करते हैं। वायुमंडल के माध्यम से क्वांटम संकेतों को प्रसारित करने की व्यवहार्यता निर्धारित करने के लिए, अपलिंक और डाउनलिंक क्वांटम संचार दोनों के लिए वायुमंडलीय सिमुलेशन आयोजित करना आवश्यक है और इसके लिए संभावित स्थानों की व्यावहारिकता निर्धारित करने की आवश्यकता है। रमन अनुसंधान संस्थान (आरआरआई) के वैज्ञानिकों ने अपने गहन शोध में भारत के तीन सबसे उन्नत वेधशाला स्थलों पर उपलब्ध मौजूदा मुक्त स्रोत डेटा का विश्लेषण किया और पाया कि लद्दाख की प्राचीन ऊंचाइयों पर स्थित हान्ले स्थित भारतीय खगोलीय वेधशाला (आईएओ) इस क्रांतिकारी प्रौद्योगिकी के लिए सबसे योग्य है। जबकि कनाडा, यूरोप और चीन जैसे क्षेत्रों में इसी तरह के अध्ययन किए गए हैं, भारत की उल्लेखनीय भौगोलिक विविधता - हिमालय से तटीय मैदानों तक, रेगिस्तान से उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों तक - इस विश्लेषण को विशेष रूप से मूल्यवान बना सकती है। विश्लेषण उपग्रह-आधारित क्वांटम संचार की गहन अंतःविषय प्रकृति को ध्यान में रखता है, जहां सफलता उच्च परिशुद्धता दूरबीन संचालन से लेकर जटिल वायुमंडलीय विक्षोभ पैटर्न तक सब कुछ समझने पर निर्भर करती है जो क्वांटम संकेतों का रुप बिगाड़ सकती है।

हान्ले स्थित यह स्थान शुष्क और ठंडा रेगिस्तान है, जहां सर्दियों में तापमान शून्य से 25 से 30 डिग्री सेल्सियस नीचे

तक गिर जाता है; वायुमंडल में जलवाष्प का स्तर और ऑक्सीजन का सान्द्रण निम्न रहता है।

भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्तपोषित स्वायत्त संस्थान आरआरआई में क्वांटम सूचना और कंप्यूटिंग (क्यूआईसी) लैब के प्रमुख प्रोफेसर उर्बशी सिन्हा ने कहा, ÷हान्ले में ग्राउंड-स्टेशन स्थापित करने और लंबी दूरी पर क्वांटम संचार करने के लिए सभी आवश्यक प्राकृतिक परिस्थिति उपलब्ध हैं।÷

सिग्नल की क्वांटम प्रकृति के अलावा, क्वांटम संचार को सुस्थापित उपग्रह-आधारित संचार से अलग करने वाली बात है सिग्नल बैंड जिसका उपयोग वे दोनों करते हैं। जबकि उपग्रह-संचार मेगा हर्ट्ज़ या गीगा हर्ट्ज़ की आवृत्तियों में काम करता है, क्वांटम संचार टेरा हर्ट्ज़ में संचालित होता है, जिसमें 100 टेरा हर्ट्ज़ सबसे आम तौर पर तरंगदैर्ध्य में दर्शाया जाता है, जिसे अक्सर नैनोमीटर में दर्शाया जाता है।

ईपीजे क्वांटम टेक्नोलॉजी, स्प्रिंगर नेचर में प्रकाशित ' वायुमंडल के माध्यम से अपलिंक ट्रांसमिशन के लिए उपग्रह-आधारित क्वांटम कुंजी वितरण (क्यूकेडी) के लिंक बजट का अनुमान लगाना ' शीर्षक वाले पेपर में शोधकर्ताओं ने 370 टीएचजेड (810 एनएम) के सिग्नल बैंड में काम करने का उल्लेख किया है। क्यूआईसी लैब के लेखक उर्वशी सिन्हा और सत्य रंजन बेहरा ने तीन साइटों - राजस्थान में माउंट आबू के आईएओ हानले और उत्तराखंड में आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान संस्थान (एआरआईईएस), नैनीताल से तापमान, आर्द्रता, वायुमंडलीय दबाव और अन्य महत्वपूर्ण मौसम संबंधी मापदंडों पर मौजूदा ओपन-सोर्स डेटा का उपयोग किया है।

सिन्हा ने कहा, ÷भारत में भौगोलिक क्षेत्र बहुत विशाल और विविधतापूर्ण है और यह विविधता संभावित रूप से इसे एक सार्वभौमिक आदर्श के रूप में काम में ला सकती है जिसे भारत या विश्व में कहीं भी लागू किया जा सकता है। यह बहुमुखी प्रतिभा भविष्य में दुनिया भर में क्वांटम उपग्रह परियोजनाओं के लिए अनुसंधान को अमूल्य बना सकती है।÷

इस कार्य में निम्न पृथ्वी कक्षा (एलईओ) में परिक्रमा करने वाले सुरक्षित उपग्रह-आधारित क्वांटम संचार स्थापित करने के लिए प्रस्तावित उपग्रहों पर विचार किया गया है, जहाँ पृथ्वी से अधिकतम ऊँचाई 500 किलोमीटर है। क्वांटम संचार स्थापित करने के लिए, किसी को शुरू में किसी विशेष स्थान के ग्राउंड स्टेशन से हर बार एक बीकन सिग्नल भेजना पड़ता है, जब भी निर्दिष्ट उपग्रह उस स्थान के करीब मँडराता है। एक बार जब उपग्रह द्वारा बीकन सिग्नल का पता लगा लिया जाता है, तो उपग्रह द्वारा ग्राउंड स्टेशन को लॉक करने के लिए एक और बीकन सिग्नल भेजा जाता है। इसके बाद यह क्वांटम सिग्नल ट्रांसमिशन की सुविधा के लिए तैयार हो जाता है।

शोध पत्र के मुख्य लेखक सत्य रंजन बेहरा ने कहा, ÷बीकन सिग्नल का उपयोग चलते हुए उपग्रह को ट्रैक करने और उसे संबंधित टेलीस्कोप की ओर इंगित करने के लिए किया जाता है। हमारा मुख्य सिग्नल 810 एनएम पर होगा जबकि अपलिंक और डाउनलिंक क्रमशः 532 एनएम और 1550 एनएम तरंगदैर्ध्य का उपयोग करेंगे।÷ मुख्य चुनौती एक ऐसे स्थान की पहचान करना है जो उन्हें बहुस्तरीय और जटिल पृथ्वी के वायुमंडल से होकर क्वांटम सिग्नल भेजने की अनुमति दे सके और साथ ही रिसीवर उपग्रह तक यात्रा जारी रख सके। बेहेरा ने बताया, ÷500 किलोमीटर की दूरी तक किरण को संचारित करने के लिए, किरण की चौड़ाई को बढ़ना पड़ता है और इसका विचलन न्यूनतम होना चाहिए। इसलिए, इस उद्देश्य के लिए एक दूरबीन का उपयोग किया जाता है और आदर्श रूप से, छोटी दूरबीनें सबसे उपयुक्त होती हैं। उसी तरह, दूरबीन के रिसीवर पक्ष का उपयोग पता लगाने के उद्देश्यों के लिए किरण को इकट्ठा करने और कम करने के लिए किया जाता है।÷

अपने विश्लेषण के आधार पर, आरआरआई शोधकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला कि संभावित ग्राउंड स्टेशन की स्थापना के लिए इस अध्ययन में भारत में जिन स्थानों पर विचार किया गया उनमें आईएओ हानले (सिग्नल लॉस - 44 डीबी) आदर्श था। उन्होंने कहा कि दो अगले सर्वश्रेष्ठ स्थान माउंट आबू (सिग्नल लॉस - 47 डीबी) और नैनीताल (सिग्नल लॉस - 48 डीबी) थे, जहाँ कुछ अपरिहार्य सिग्नल लॉस की संभावना थी। यह अध्ययन क्वांटम संचार उद्देश्यों के लिए भारतीय ग्राउंड-स्टेशनों को अंतिम रूप देने से पहले लिंक-बजट का अनुमान लगाने का आधार बन सकता है।

भारतवर्ष में शायद कोई स्थान हो? जहां इतनी अधिक राम कथा कहीं और सुनी जाती है- रत्नेश प्रपन्नाचार्य

जीवन में आपसे जितना पाप होना था हो गया। आज ही सारे अभिमान को छोड़कर भगवान का भजन करो कल्याण हो जाएगा

संवाददाता। जांजगीर चांपा / पूज्य महाराज जी का आदेश था। मुझे रायपुर और शिवरीनारायण दोनों स्थान पर राम जी की कथा सुनाने का अवसर प्राप्त हुआ। राम जी की कथा का कोई अंत नहीं है। एक जीवन तो क्या ? कई जन्म कम पड़ जाएंगे यह कथा कभी पूरी नहीं होगी। 'हरि अनंत हरि कथा अनंता' हम कुछ सुना पाए आप जो कुछ सुन पाए उसमें पूज्य गुरुदेव जी एवं भगवान हरि की कृपा समाहित है। यह मार्मिक उद्गार अवधपुरी धाम से पधारे हुए अनंत श्री विभूषित श्री स्वामी रत्नेश प्रपन्नाचार्य जी महाराज ने शिवरीनारायण मठ महोत्सव के समापन अवसर पर अभिव्यक्त की, उन्होंने कहा कि यह पवित्र धाम है भारत वर्ष में शायद कोई ऐसा स्थान होगा जहां इतनी अधिक राम कथा हुई हो। संत और भगवान के चरणों में बैठकर कथा कहने और सुनाने का अवसर मिला यह मेरे जीवन का परम सौभाग्य है, आप लोग सौभाग्यशाली हैं जिन्हें महाराज जी जैसा संत मिला है।

इसके पहले उन्होंने राम कथा के अंतिम दिवस श्रोताओं से कहा कि -जो धर्म के पथ पर चलता है, जो सत्य पथ पर चलता है, उसके पैर को कोई हिला नहीं सकता! इसलिए रावण के दरबार में कोई भी अंगद के पांव को हिला नहीं सके। सतयुग में युद्ध दो लोक(देवलोक एवं दैत्य लोक) में होता था। त्रेता में यह दो देशों तक आ गया भारत और श्रीलंका, द्वापर में परिवार के बीच में युद्ध होने लगा (कौरव और पांडव आपस में भिड़ गए)। कलयुग में अब अंर्तद्वंद प्रारंभ हो गया है। प्रत्येक व्यक्ति के अंतःकरण में युद्ध की लहरें उठ रही है। वैराग्य का सबसे प्रबल युद्ध काम से होता है। मेघनाथ काम का प्रतीक है उसने लक्ष्मण रूपी वैराग्य पर वीरघातनी शास्त्र का प्रयोग किया। वे मूर्छित हो गए, ध्यान रखना काम वैराग्य को मूर्छित तो कर सकता है लेकिन परास्त नहीं! *देखा लखन का हाल तो श्री राम रो पड़े* यह गाकर उन्होंने स्त्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। उन्होंने कहा कि- अपने धर्म का पालन वैद्य को करना चाहिए *रोगी चाहे कोई भी हो उसका उपचार करना ही डॉक्टर का धर्म है।* लंका के वैद्य ने लक्ष्मण जी का उपचार किया। बेहोसी या मूर्छा काल में राम का नाम उसी के मुख से निकल सकता है जिसने जीवन भर राम- राम रटा हो!

श्री रामचरितमानस मानव जीवन का संविधान

हमें वह सब करना चाहिए जो राम जी ने किया है। सोए हुए को जगाना पड़ता है जो जानबूझकर आंखें बंद किया हो उसे जगाना कठिन है। जीवन में जितना पाप होना था हो गया *आज ही से सारे अभिमान को छोड़कर भगवान का भजन करो कल्याण हो जाएगा* सभी ने रावण को समझाया लेकिन शिव जी ने उसे कभी नहीं समझाया। *जो किसी के समझाने से नहीं समझता उसे कभी भी नहीं समझाना चाहिए* उन्होंने राम रावण युद्ध से लेकर राम राज्य तक की पूरी कथा श्रोताओं को सुनाया और कहा कि जब भी महाराज जी का आदेश होगा हम शिवरीनारायण का नाम सुनते ही यहां दौड़े चले आएंगे। सब के प्रति आचार्य जी ने आभार भी जताया ।

समापन अवसर पर उमड़ा लोगों का सैलाब -

श्री शिवरीनारायण मठ महोत्सव के समापन के अवसर पर लोगों का सैलाब उमड़ पड़ा। लोग बड़ी संख्या में उपस्थित हुए मठ में पैर रखने का जगह नहीं था, मठ के बाहर भी लोग एलइडी टीवी के स्क्रीन पर आचार्य जी को सुन रहे थे। शिवरीनारायण मठ मंदिर के ट्रस्टी बृजेश केसरवानी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया, ट्रस्ट कमेटी के सदस्य राघवेंद्र प्रताप सिंह, हेमंत दुबे, सुखराम दास जी एवं वीरेंद्र तिवारी सहित अनेक लोगों ने सपरिवार अयोध्या से आए हुए संगीत के कलाकारों एवं शास्त्रीयों का स्वागत किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से श्री हनुमान मंदिर लखनऊ उत्तर प्रदेश से स्वामी जगदेव दास जी महाराज, बजरंगगढ़ सरकार लाल खुर्द टीकमगढ़, मध्य प्रदेश से श्री महन्त स्वामी हनुमान दास जी महाराज, डोंगा घाट छोटे मठ, चांपा से श्री महन्त नारायण दास जी महाराज,व महेश दास जी अपने संत मंडली के साथ विशेष रूप से उपस्थित थे। समाचार लिखे जाने तक सीताराम विवाह महोत्सव का शुभारंभ नहीं हो पाया था।

आचार्य जी को भेंट की गई संकलित समाचार*

शिवरीनारायण मठ महोत्सव में राम कथा का समाचार न केवल जांजगीर चांपा जिले में अपितु उज्जैन, भोपाल(मध्य प्रदेश) सहित अन्य राज्यों में भी एक साथ प्रकाशित हो रहा था। इसको संकलित करके आचार्य जी को महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज एवं ट्रस्ट कमेटी के सदस्यों के कर कमलों से भेंट किया गया। मीडिया प्रभारी निर्मल दास वैष्णव ने कृतज्ञता ज्ञापित की एवं कहा कि सभी पत्रकार साथियों के स्वीकृत पुण्य अयोध्या पहुंचकर भगवान के चरणों में अर्पित होगा।

मवेशी तस्करी के फरार आरोपी को पुलिस ने दबोचा बम्हनीडीह व सायबर पुलिस की संयुक्त कार्यवाही

जांजगीर चांपा / मवेशी तस्करी के फरार आरोपी को बम्हनीडीह व सायबर पुलिस की संयुक्त टीम ने धर दबोचा है । ज्ञात हो कि दिनांक 13 नवंबर 24 को सुबह थाना बम्हनीडीह/सायबर टीम को मुखबिर की सूचना मिली थी कि अशोक लाइलेंट वाहन क्रमांक छ्त्त07- 3929 में मवेशी परिवहन कर ले जा रहे है । उक्त सूचना पर विवेक शुक्ला पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा के निर्देशन में रेड कार्यवाही कर वाहन की चेकिंग की गई। मौके पर आरोपी साहेब लाल कुर्रे निवासी पेंड्री थाना मस्तूरी और नफीस खान निवासी गंगरवा पोस्ट दबारा जिला सिवनी (मध्य प्रदेश) को पकड़ा गया था तथा वाहन चेकिंग करने पर पाया गया कि कुल 22 नग भैंसें बरामद हुईं, जिनमें से पांच भैंसों की वाहन में ही मृत्यु हो चुकी थी। आरोपियों के विरुद्ध अपराध धारा सदर का सबूत पाए जाने से थाना बम्हनीडीह में अपराध क्रमांक 99/24 धारा छत्तीसगढ़ कृषि पशु परिरक्षण अधिनियम की धारा 4, 6, 10, पशु क्रूरता अधिनियम की धारा 11(घ), एवं ब्न्हस की धारा 325 का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। प्रकरण के आरोपी नफीश खान एवं साहब लाल कुर्रे को गिरफ्तार कर उसी दिन दिनांक न्यायिक रिमांड पर भेजा जा चुका है। प्रकरण के एक अन्य आरोपी तौफिक कुरैशी उर्फ अदनान जो घटना दिनांक से फरार था जिसकी लगातार पुलिस द्वारा पातासाजी की जा रही थी। उसे आज मुखबिर सूचना पर पकड़ा गया और मवेशी तस्करी करने के संबंध में पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर आज दिनांक 5 दिसंबर 2024 को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। सम्पूर्ण कार्यवाही निरी. राजीव श्रीवास्तव थाना प्रभारी बम्हनीडीह, उपनिरी पारस पटेल सायबर सेल प्रभारी एवं सायबर टीम, थाना बम्हनीडीह से एएसआई सुनील सिंह, आरक्षक पुनेश्वर आजाद, सचेंद्र साहू का योगदान रहा।

भगवान के बाराती बने नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महंत

शिवरीनारायण / मठ महोत्सव के तत्वावधान में भगवान श्री राघवेंद्र सरकार के बाराती के रूप में छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महंत जी बाराती बनकर सम्मिलित हुए। उनके साथ पामगढ़ विधायक शेष राज हरबंस, अकलतरा विधायक राघवेंद्र सिंह, पूर्व विधायक मोतीलाल देवांगन, चंद्रदेव राय सहित अनेक गणमान्य नागरिक गण भगवान के बारात में सम्मिलित हुए।

कार्यकर्ताओं की मेहनत लाई रंग : भाजपा को हजारीबाग सदर में मिली ऐतिहासिक जीत- रत्थु गुप्ता

रायगढ़। विधान सभा हजारीबाग सदर सीट पर भाजपा ने रिकॉर्ड मतों से जीत हासिल की है। भाजपा के प्रत्याशी प्रदीप प्रसाद ने 43,617 वोटों के विशाल अंतर से अपनी जीत दर्ज की। इस ऐतिहासिक जीत का श्रेय कार्यकर्ताओं सहित जिला मंत्री रत्थु गुप्ता के धुंआधार प्रचार अभियान और टीमवर्क को जाता है।

भाजपा की यह जीत झारखंड में पार्टी के मजबूत जनाधार और संगठनात्मक क्षमता का प्रमाण है।

रत्थु गुप्ता ने कार्यकर्ताओं के साथ चुनाव प्रचार के दौरान पूरे क्षेत्र में दिन-रात मेहनत की। उन्होंने 8 मंडलों, 76 शक्ति केंद्रों, और 486 बूथों पर बैठक की और सघन प्रचार अभियान चलाया। उनके प्रयासों ने कार्यकर्ताओं को संगठित किया और जनता तक भाजपा के विकास के एजेंडे को प्रभावी ढंग से पहुंचाया।

रणनीति और समर्पण का दिखा प्रभाव - भाजपा की इस ऐतिहासिक जीत में कलस्टर प्रभारी ओपी चौधरी, छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री के मार्गदर्शन ने भी अहम भूमिका निभाई। भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमीनी स्तर पर सक्रिय होकर जनता से जुड़ने की पूरी कोशिश की। रत्थु गुप्ता की कुशल रणनीति और नेतृत्व में प्रचार-प्रसार ने जनता का भरोसा जीता।

जनता का समर्थन भाजपा के प्रति स्पष्ट

जनता ने भाजपा के विकास के एजेंडे और नेतृत्व पर विश्वास जताया। यह जीत स्पष्ट करती है कि जनता भाजपा की योजनाओं और नीतियों के साथ खड़ी है।

जीत पर रत्थु गुप्ता ने दी बधाई - प्रदीप प्रसाद की इस ऐतिहासिक जीत पर भाजपा जिला मंत्री रत्थु गुप्ता ने बधाई देते हुए कहा, ÷यह जीत कार्यकर्ताओं के परिश्रम और जनता के आशीर्वाद का परिणाम है। हमें जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए और अधिक मेहनत करनी होगी।÷

रेलवे ट्रैक पर मिली युवक की लाश

रायगढ़ आज सुबह करीब 6:00 बजे चक्रधरनगर थाना क्षेत्र के ग्राम संबलपुरी में एनटीपीसी रेलवे ट्रैक पर एक अज्ञात युवक (उम्र करीब 25 वर्ष) का शव सूचना मिलने पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ थाना चक्रधरनगर और साइबर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची । पुलिस टीम ने शव और रेलवे ट्रैक के आसपास बारीकी से निरीक्षण किया। मृतक ने काले रंग का लोअर पहना हुआ था और गले में एक साधारण चेन थी, जिसके लॉकेट पर ÷Queen÷ लिखा हुआ है। ग्रामीणों ने युवक को स्थानीय नहीं बताया और आशंका जताई कि वह बाहरी व्यक्ति हो सकता है।

थाना प्रभारी चक्रधरनगर निरीक्षक प्रशांत राव ने जिले के सभी थाना प्रभारियों को उनके क्षेत्र के गुमशुदा व्यक्तियों का रिकॉर्ड चेक कर सूचना साझा करने सूचित किया गया है तथा शव को केजीएच अस्पताल में सुरक्षित रखवाया है। मृतक की पहचान और परिजनों का पता लगाने पुलिस ने युवक की तस्वीरें विभिन्न व्हाट्सएप ग्रुप में साझा की गई हैं, पुलिस की अपील है कि मृतक के संबंध में थाना प्रभारी चक्रधरनगर के मोबाइल नंबर-9479193210 अथवा पुलिस कंट्रोल रूम के नंबर 9479193299 में सूचित करें।

भारत रत्न डॉ भीम राव अंबेडकर जी के प्रतिमा मूर्ति का नवनिर्माण के उपरांत नगर पालिका ने दिये निर्देश, ना करें ये काम ..

संवाददाता। नगर पालिका परिषद जांजगीर नैला अंतर्गत कचहरी चौक जांजगीर परिसर में भारत रत्न डॉ भीम राव अंबेडकर जी के प्रतिमा मूर्ति का नवनिर्माण नगर पालिका द्वारा किया गया है, जिसका शीघ्र ही विधिवत नियमानुसार अनावरण कार्यक्रम जिला प्रशासन और नगर पालिका परिषद जांजगीर नैला द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा। कल दिनांक 7.12.2024 को नगर पालिका परिषद जांजगीर नैला द्वारा कोई भी लोकार्पण एवं भूमिपूजन का कार्यक्रम नहीं रखा गया है

नगर पालिका परिषद जांजगीर नैला और जिला प्रशासन जांजगीर के बिना अनुमति के अगर किसी व्यक्ति, संस्था के द्वारा किसी भी प्रकार का कोई कार्यक्रम उक्त स्थल पर अगर किया जाता है तो उक्त व्यक्ति संस्था की ही कानून व्यवस्था की संपूर्ण जवाबदारी होगी। साथ ही उक्त स्थल और परिसर में बिना अनुमति के कोई कार्यक्रम हेतु टेंट सामग्री, लाइट माइक या कोई भी सामान लगाना प्रतिबंधित है।

शालाओं में बच्चों के सर्वोत्तम सुरक्षा हेतु दिया जा रहा संवेदीकरण प्रशिक्षण

जांजगीर-चांपा कलेक्टर श्री आकाश छिकारा के निर्देशानुसार जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं जिला बाल संरक्षण अधिकारी के नेतृत्व में महिलाओं के विरुद्ध हिंसा उन्मूलन का अंतर्राष्ट्रीय दिवस) से 10 दिसम्बर (मानव अधिकार दिवस) तक 16 दिवसीय लिंग आधारित हिंसा को समाप्त करने हेतु जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री गजेन्द्र जायसवाल ने बताया कि जिसमें विद्यालय के प्राचार्यो, प्रधान पाठकों से बच्चों के सुरक्षा से संबंधित सभी बिंदुओं पर समीक्षा की गई एवं आवश्यक सुरक्षा के उपाय हेतु संवेदीकरण प्रशिक्षण जिला बाल संरक्षण इकाई के अधिकारी, कर्मचारी द्वारा प्रदान किया गया। जिले के विभिन्न विद्यालयों में कक्षा नवमी से बारहवीं तक के बच्चों को उनके अधिकारों के प्रभावी संरक्षण हेतु किशोर न्याय अधिनियम (बालकों के देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 संशोधित अधिनियम 2021 नियम 2016 संशोधित नियम 2022 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012, शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 एवं बाल श्रम (प्रतिषेध एवं विनियम) अधिनियम 1986 पर संवेदीकरण प्रशिक्षण के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण में जिला बाल संरक्षण इकाई से श्री कुलदीप कुमार चौहान आउटरीच वर्कर श्री निर्भय सिंह समन्वयक, श्री भूपेश कश्यप टीम मेम्बर चाइल्ड लाइन महिला एवं बाल विकास विद्यालय के प्राचार्य, स्कूल स्टाफ व बच्चें अधिक संख्या में उपस्थित रहे।

भालू ने चरवाहे पर किया हमला, हालत गंभीर

रायगढ़ (वीएनएस)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के बरकछार में भालू ने चरवाहे पर हमला कर दिया, लेकिन चरवाहे को उसकी गायों ने बचा लिया। भालू के हमला के दौरान करीब 10-12 गाय आवाज करते हुए भालू की ओर बढ़ने लगी। जिससे भालू डरकर जंगल में भाग गया।

जानकारी के मुताबिक रायगढ़ वन परिक्षेत्र के बरकछार में रहने वाला असीम मिंज (42) चरवाहे का काम करता है। गांव के 10-12 गायों को जंगल में चराने ले जाता हैं। मंगलवार की दोपहर को असीम अपनी बुआ मरियम के साथ गांव की गायों को चराने के लिए कटाईघाट के जंगल गया था। बताया जा रहा है कि उसकी बुआ उससे दूर में कुछ गाय चरा रही थी। तभी एक भालू ने असीम पर पीछे से हमला कर दिया। ऐसे में वह चिल्लाने लगा, तभी आसपास चरने गई सभी गाय असीम की चीख सुनकर तेज आवाज करती हुई उसे बचाने के लिए भालू की ओर बढ़ने लगी। जिसे देख भालू वापस जंगल की ओर भाग गया। भालू के हमले से असीम के पैर व हाथ में गंभीर चोट पहुंची। जब इसकी जानकारी उसकी बुआ को लगी, तो वह उसके पास पहुंची और उसे किसी तरह जंगल से रोड तक ले आई। इसके बाद वहां से बाइक में गुजर रहे गांव के एक ग्रामीण के साथ उसे गांव ले आई और मामले की सूचना वनकर्मियों को दी। जिसके बाद असीम को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज रायगढ़ में भर्ती कराया गया है। बरकछार परिसर रक्षक प्रकाश साव ने बताया कि असीम की बुआ मरियम से घटना के बारे में पूछा गया, तो उसने जानकारी दी, कि भालू ने जब चरवाहे पर हमला किया, तो उसकी सभी गाय तेज आवाज करती हुई भालू को मारने के आगे बढ़ने लगे, तब भालू डरकर भाग गया। उन्होंने बताया कि बरकछार का जंगल ओडिशा बॉर्डर से लगा हुआ है। घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

राजीव युवा उत्थान योजना वर्ष 2019 अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा की कोचिंग हेतु पात्र अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित

जांजगीर-चांपा / राजीव युवा उत्थान योजना नियमावली वर्ष 2019 के भाग (बी) के तहत छत्तीसगढ़ राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी हेतु राज्य में स्थित निजी कोचिंग संस्थाओं के माध्यम से राज्य के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछडा वर्ग के पात्र अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किया गया है।

सहायक आयुक्त आदिवासी विभाग ने बताया कि आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 23 दिसंबर 2024 सायं 4 बजे तक आवेदन जमा करने का स्थान संभागीय मुख्यालय के कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास जिला रायपुर, बिलासपुर, जगदलपुर, सरगुजा, दुर्ग में जमा कर सकते है। आवेदन से संबंधित विस्तृत जानकारी विभाग की वेबसाइट www.tribal.cg.gov.in एवं जिले की वेबसाइट www.janjgir-champa.cg.gov.in से डाऊनलोड कर अवलोकन किया जा सकता है। इस परीक्षा से संबंधित समस्त जानकारी यथा पात्र अभ्यर्थी परीक्षा केन्द्र, परीक्षा परिणाम आदि सूचना विभागीय वेबसाइट से अभ्यर्थी प्राप्त करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर आयोजित हुआ जिला स्तरीय कार्यक्रम

0 खेलकूद सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में दिव्यांग विद्यार्थी बने प्रतिभागी

कोरबा (आरएनएस)। अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर कोरबा नगर के विद्युत गृह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 01 में जिला स्तरीय कार्यकम आयोजित किया गया। कार्यकम में दिव्यांगजन छात्र-छात्राओं द्वारा स्वागत गीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। साथ ही उनके मध्य विविध खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई। समाज कल्याण विभाग द्वारा समस्त दिव्यांगजन छात्र-छात्राओं को स्कूल बेग वितरण किया गया एवं खेलकुद प्रतियोगिता व सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले दिव्यांगजन छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान की गई।

कार्यक्रम में पार्षद नरेन्द्र देवांगन, हितानन्द अग्रवाल, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुश्री डिम्पल भेडिया सहित दिव्यांग आईकॉन लक्ष्मी प्रसाद निषाद एवं शैलेन्द्र श्रीवास, पन्नालाल बांधे (दिव्यांग) एवं जिला शिक्षा अधिकारी तामेश्वर प्रसाद उपाध्याय व उप संचालक समाज कल्याण विभाग श्रीमती सिनीवाली गोयल, डीएमसी श्री मनोज कुमार पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

एनटीपीसी कोरबा ने पीआरसीआई उत्कृष्टता पुरस्कार 2024 में चमक बिखेरी

कोरबा 0एनटीपीसी कोरबा ने प्रतिष्ठित पीआरसीआई (च्नइसपब त्मसंजपवदे ब्वनदबपस व्ि प्दकपं) उत्कृष्टता पुरस्कार 2024 में अपनी उत्कृष्ट योगदान के लिए पर्यावरण और कॉर्पोरेट संचार के क्षेत्रों में सराहना प्राप्त की। इस पावर स्टेशन ने सततता और पर्यावरण श्रेणी में सिल्वर अवार्ड प्राप्त किया, जो कि चारपारा ऐश डाइक क्षेत्र के पुनर्वास में उसकी उत्कृष्टता को मान्यता देता है, यह पर्यावरण प्रबंधन में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सिल्वर अवार्ड के अलावा, एनटीपीसी कोरबा ने तीन सांत्वना पुरस्कार भी प्राप्त किए, जो इसकी विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता को दर्शाते हैं। ये पुरस्कार निम्नलिखित श्रेणियों में प्राप्त हुएः- 1. आंतरिक चैनल संचार, जो इसके प्रभावी आंतरिक संचार प्रथाओं को मान्यता देता है, जो पारदर्शिता और भागीदारी को बढ़ावा देती हैं।

2. बाल देखभाल में सीएसआर पहल, जो स्थानीय समुदाय में बच्चों की भलाई और विकास के लिए इसके समर्पण को मान्यता देता है।

3. ग्रामीण विकास संचार, जो कोरबा की ग्रामीण विकास में प्रभावी संचार रणनीतियों को उजागर करता है।

यह सम्मान एनटीपीसी कोरबा के पर्यावरणीय स्थिरता, सामुदायिक विकास, और संगठनात्मक संचार में निरंतर प्रयासों को रेखांकित करता है।एनटीपीसी कोरबा के एक प्रवक्ता ने पुरस्कारों पर टिप्पणी करते हुए कहा, ष्हम इन प्रतिष्ठित पुरस्कारों को प्राप्त करके गर्व महसूस करते हैं, जो हमारे पर्यावरणीय स्थिरता, सामुदायिक विकास, और आंतरिक संचार में उत्कृष्टता की निरंतर कोशिशों को दर्शाते हैं। ये पुरस्कार हमें प्रेरित करते हैं ताकि हम अपने संचालन में उत्कृष्टता प्राप्त करते हुए समाज में सकारात्मक योगदान देना जारी रखें।

नए स्कूल भवन निर्माण के कार्य अप्रैल 2025 तक पूर्ण कर लिए जाएंः कलेक्टर

0 निश्चित समय समय-सीमा में पूर्ण करें निर्माण कार्य

0 कलेक्टर ने ली निर्माण एजेंसियों के अधिकारियों की बैठक

कोरबा । कलेक्टर अजीत वसंत ने कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक लेकर अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों को निश्चित समय सीमा में पूर्ण किया जाए। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि खनिज न्यास मद से स्वीकृत नए स्कूल भवन का निर्माण हर हाल में अप्रैल 2025 के तक पूर्ण कर लिए जाएं, ताकि नए सत्र नए विद्यालयों में प्रारंभ हों। निर्माण कार्यों को पूर्ण कराने के साथ ही हैंड ओवर करने की भी जिम्मेदारी विभागीय अधिकारियों की है।

कलेक्टर ने निर्देष दिए कि किसी भी कार्य की प्रषासकीय स्वीकृति के दो माह के भीतर अनुबंध कर लिए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि गर्ल्स हॉस्टल, दिव्यांग विद्यालय के निर्माण कार्य षीघ्र पूर्ण करा लिए जायें। इसके साथ ही विद्यालयों में अतिरिक्त भवन निर्माण मरम्मत आदि के कार्य भी निष्चित समय सीमा में पूर्ण करा दिए जाएं। उन्होंने निर्देष दिए कि दिव्यांग विद्यालय भवन, स्कूल, आश्रम छात्रावास, वृद्धाश्रम आदि वंचित वर्गों के लिए किए जाने वाले निर्माण कार्यों को ध्यान में रखकर प्राथमिकता से पूर्ण कराए जाएं। उन्होंने विभागों को निर्देष दिए कि जिले में खनिज न्यास के निर्माण कार्यों को पूर्ण करने के लिए विषेष प्रयास करें।

ट्रांजिट हॉस्टल, आवास और विद्यालयों के निर्माण कार्य निश्चित समय सीमा में पूर्ण किए जाएं। गृह निर्माण विभाग को निर्देशित किया गया कि कन्वेंशन सेंटर को षीघ्र पूर्ण करके हैंड ओवर करें। कलेक्टर ने नगर निगम आयुक्त को निर्देशित किया कि पीजी कॉलेज का निर्माण कार्य, जिला चिकित्सालय, अशोक वाटिका तथा एनसीडीसी के निर्माण कार्य निश्चित समय सीमा में पूर्ण कर लिए जाएं। ईई जल संसाधन विभाग को निर्देशित किया गया कि व्यपवर्तन, जलाषय एवं नहर निर्माण के कार्य षीघ्र पूर्ण कर लिए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए नगरीय निकाय के क्षेत्रों में जनहित कार्य जैसे सामुदायिक भवन, स्ट्रीट लाइट, पार्क निर्माण आदि के निर्माण कार्य एसडीएम एवं नगरीय निकाय की टीम से चर्चा करके प्रस्तावित करें। ईई आरइएस को निर्देश दिया गया है कि गांव में स्वीकृत नए स्कूल भवनों का निर्माण कार्य अप्रैल 2025तक हर हाल में पूर्ण कर लिए जाएं ताकि नए शिक्षण सत्र सुचारू रूप से संचालित हो सके। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री दिनेष कुमार नाग, नगर निगम आयुक्त श्री आषुतोष पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर श्री गौतम सिंह सहित ईआरईएस पीडब्ल्यूडी, सेतु विभाग, हाउसिंग बोर्ड, आदिवासी विकास विभाग, जल संसाधन विभाग व नगरीय निकाय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

सीआईएसएफ ने मिलेट्स उत्पाद को बढ़ावा देने मिलेट्स मेले का आयोजन किया

कोरबा दिनांक 04.12.30 को सीआईएसएफयूनिट, केएसटीपीपी कोरबा द्वारा मिलेट्स मेला आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सीआईएसएफ यूनिट, केएसटीपीपी कोरबा के प्रभारी कमाण्डेंट श्री राजीव कुल्हरी की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर एवं उच्च मुख्यालय के आदेषानुसार केऔसुब कोरबा को मिलेट्स मेले में अपनी भागीदारी की घोषणा करते हुए अपनी इकाई के कर्मियों और आस-पास के क्षेत्र व प्रबंधन अधिकारियों के बीच मिलेट्स की खपत को बढ़ावा देने एवं भोजन में 30-35ः मिलेट्स शामिल करने की गृह मंत्रालय की पहल के हिस्से के रूप में पौष्टिक और ऊर्जा से भरपूर खाद्य विकल्प के रूप में मिलेट्स के लाभों को बढ़ावा देने के उद्देश्य के साथ किया गया।

इस दौरान उप कमाण्डेंट श्री कुमार पुरुषोत्तम, सहायक कमाण्डेंटध्अग्नि श्री अशोक प्रसाद उपस्थित रहे। मेले के दौरान मिलेट्स के लगभग 10 से अधिक व्यंजनों का प्रदर्शन किया गया। डपससमजे क्ें, चांवकं, त्हप`दहंजप ूपजी चंददमत, ।चचम, संनाप ।प ।ममत, बाजरे के आटे का ढोकला, जवार के आटे की पूरी, लिटी चोखा, पकौड़ी, हल्वा आदि। इकाई की महिला संरक्षिका सदस्यों द्वारा मिलेट्स मेले में विभिन्न प्रकार के मिलेट्स आधारित उत्पादों का प्रदर्शन किया गया, जिसमें कच्चे मिलेट्स अनाज, रेडी-टू-कुक (आरटीसी) आइटम और रेडी-टू-ईट (आरटीई) उत्पाद शामिल हैं। विभिन्न व्यंजनों में मिलेट्स की बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए लाइव कुकिंग काउंटर भी लगाये गए ।

शिक्षा अधिकारी पर लगा 9 बिंदु पर लिखित शिकायत,

उचित जांच कराकर कार्रवाई की मांग

आरएनएस,एजेंसी। कोरबा जिला शिक्षा अधिकारी की लिखित शिकायत 09 बिंदु पर की गई है । जिसमे डीईओ पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया है और उचित जांच कराकर कार्रवाई की मांग की गई है। सरकार के नियम कानूनों को दरकिनार कर काम किये जाने की शिकायतों के बाद भी कार्यवाही का नही होना कई तरह के मिली भगत के संसय को जन्म दे रहा है ।

बता दे कि बीते दिनों कलेक्टर से शिकायतकर्ता विजय दुबे ने 28 अक्टूबर को शिकायत की है जिसमें कलेक्टर को दिए शिकायत पत्र में बताया है कि जिला शिक्षा अधिकारी तामेश्वर प्रसाद उपाध्याय अपने पद का दुरुपयोग कर और शासन को नुकसान पहुँचाते हुए काम कर रहे है। डीईओ द्वारा अगस्त 2023 में सहायक शिक्षक-समग्र शिक्षक के आह्वान किया गया था। जिसमे सहायक शिक्षक, हेड मास्टर द्वारा हड़ताल अवधि में किये गए शिक्षकों का वेतन जिला शिक्षा अधिकारी के आदेश क्रमांक- 3070/ स्था.- 02ध् 2024- 25 कोरबा, दिनांक- 07.08.2024 द्वारा अपने अधिकार क्षेत्र में न होते हुए भी भुगतान हेतु राज्य सरकार के अधिकार का उपयोग करते हुए वित्तीय हानि पहुँचाई गई है। यह कि विभाग में कार्यरत विश्वसनीय सूत्रों से ज्ञात हुआ कि लिपिकों के पदोन्नत पर बिना काउंसलिंग नियम विरुद्ध (माननीय उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ के आदेश नियमानुसार कार्यवाही को दरकिनार करते हुए सामूहिक पदस्थापना पत्र जारी न करते हुए सिंगल (प्रति व्यक्ति) आदेश पत्र जारी किया गया है। और शिक्षकों से उनके मनचाहे स्थान देने हेतु वसूली की गई है। जांच होने पर व्यापक रूप में किये गए अनैतिक कार्यों का खुलासा हो सकता है। उसके बाद भी शिकायत पर कोई कार्यवाही नही की जा रही है इस मामले में अभीतक कोई ठोस कार्यवाही का नही किया जाना इस बात की ओर इशारा कर रहा है कि इस पूरे मामले में बड़ी मात्रा में मिलीभगत की गई है । जिसके कारण ही मामले में कोई कार्यवाही नही की जा रही है । यंहा बताना होगा कि ये कोई एक मामला नही है बल्कि कटघोरा में विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी रहते हुए मध्याहन भोजन में कई स्कूलों की दर्ज संख्या बढ़ाकर समूहों के साथ मिलकर शासन को आर्थिक क्षति पहुँचाते हुए करोड़ो रुपयों का गबन किया गया है। जिसकी जांच किये जाने से मामले का खुलासा सम्भव है।

बिलासपुर संभागायुक्त ने किया सिम्स का निरीक्षण, मरीजों से मिलकर जाना हालचाल

विभिन्न वार्डों में पहुंचकर सुविधाओं का लिया जायज़ा

बिलासपुर संवाददाता।

संभागायुक्त महादेव कावरे ने शुक्रवार को छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान, (सिम्स) बिलासपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने सर्वप्रथम आपातकालीन विभाग, ट्राएज, एम.आर.डी., आयुष्मान कार्ड शाखा, परिजनों के शेड इत्यादि का निरीक्षण किया। एम.आर.डी. में पंजीयन की व्यवस्था, टोकन प्रदाय किये जाने. साफ-सफाई इत्यादि का सूक्ष्मता से निरीक्षण किया एवं पुरुष मेडिसीन वार्ड के निरीक्षण के दौरान मरीजों से चिकित्सकीय व्यवस्था, दवाईयों की उपलब्धता एवं चिकित्सालय से दिये जाने वाले भोजन की गुणवत्ता के बारे में जानकारी प्राप्त की। मरीजों के द्वारा उपरोक्त व्यवस्था को अच्छा एवं संतोषजनक बताया।

सिम्स के डीन डॉ. रमणेश मूर्ति, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. लखन सिंह, डॉ. भूपेन्द्र कश्यप नोडल अधिकारी सिम्स एवं प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना सिंह ने उन्हें चिकित्सालय का भ्रमण कराया। रेडियोलॉजी विभाग में एक्स-रे, सीटी स्केन, सोनोग्राफी मशीनों एवं एम.आर.आई. इत्यादि के संपादन व रिपोर्ट प्रदाय किये जाने की जानकारी ली एवं वहां उपस्थित मरीजों से भी उपलब्ध सुविधाओं के बारे में भी चर्चा की गई। मरीजों ने भी उपलब्ध सुविधाओं को संतोषजनक बताया। डॉ. अर्चना सिंह ने रेडियोलॉजी विभाग में प्रतिदिन यू.एस. जी. जांच 35-40, एक्सरे 210, सी.टी. स्केन 35-40 तथा एम.आर.आई. 10-12 जांच होना बताया।

सेम्पल कलेक्शन में मरीजों के सेम्पल लेने की प्रक्रिया को डॉ. प्रशांत निगम ने बताया। ब्लड बैंक में रक्तदान, संग्रहण एवं वर्तमान में उपलब्ध रक्त यूनिट की जानकारी दी गई। दंतरोग विभाग में ओ.पी.डी. तथा फैकल्टी से विभाग में किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली गई। दंतरोग विभाग में 02 डेंटल चेयर एवं डेंटल टेक्नीशियन इत्यादि की आवश्यकता बताये जाने पर शीघ्र अनुमोदन प्रदान कर कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये। संभागायुक्त ने नियमित रूप से समय पर बायोमेट्रिक मशीन द्वारा उपस्थिति दर्ज कराने समस्त चिकित्सकों, अधिकारियों, कर्मचारियों को निर्देशित किया। कावरे ने गैस मेनीफोल्ड एवं अपशिष्ट प्रबंधन की वर्तमान व्यवस्था का भी अवलोकन किया।

भालू ने चरवाहे पर किया हमला, हालत गंभीर

नई औद्योगिक नीति से प्रदेश में बेहतर औद्योगिक वातावरण का निर्माण होगा: उद्योग मंत्री

कोरबा । प्रदेश के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति पर आधारित निर्यात प्रोत्साहन एवं निवेश हेतु स्टेकहोल्डर कनेक्ट कार्यशाला का शुभारंभ किया। नीति आयोग एवं छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला में नीति आयोग के वरिष्ठ सलाहकार श्री संजीत कुमार, उद्योग विभाग के सचिव श्री रजत कुमार, संचालक उद्योग प्रभात मलिक, सीएसआईडीसी के प्रबंध संचालक श्री विश्वेस कुमार सहित उद्योगों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

नई औद्योगिक नीतिरू निर्यात प्रोत्साहन कार्यशाला का उद्योग मंत्री ने किया शुभारंभ'

इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि हम सब राज्य के औद्योगिक विकास एवं राज्य से निर्यात में वृद्धि करने के उद्देश्य से आवश्यक बिंदुओं पर चर्चा एवं विचार-विमर्श के लिए यहां एकत्रित हुए है। प्रदेश में नवीन उद्योग नीति 2024-2030 जो एक नवंबर से लागू हो चुकी है। निश्चित तौर पर हमारी सरकार की मंशा है कि प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा उद्योग कैसे स्थापित हो इसे ध्यान में रखकर यह उद्योग नीति तैयार की गई है। हमने पहली बार इस नीति के माध्यम से राज्य में पर्यटन एवं स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं में निवेश को भी प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया है। हाल ही में आयोजित केबिनेट बैठक में पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया गया है। इस नीति में ज्यादा से ज्यादा अनुदान सब्सिडी का प्रावधान रखा गया है। राज्य के पिछड़े क्षेत्रों में भी उद्योग स्थापित हो इसमें प्रावधान किए गए है। उद्योग धंधे स्थापित होने से प्रदेश का विकास होगा और लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

उद्यामियों की सुविधा के लिए प्रदेश में सिंगल विंडो प्रणाली लागू किया गया है। प्राकृतिक खनिज संसाधनों से भरपूर छत्तीसगढ़ में उद्योग स्थापित होने से प्रदेश का तेजी से विकास होगा। श्री देवांगन ने कहा कि उद्योगों के साथ-साथ इससे अप्रत्यक्ष रूप से हजारो लोगों को भी रोजगार मिलेगा। नीति आयोग के वरिष्ठ सलाहकार श्री संजीत सिंह ने कहा कि कार्यशाला के आयोजन के लिए मैं प्रदेश सरकार का धन्यवाद देना चाहता हूं। छत्तीसगढ़ की नई उद्योग नीति अन्य राज्यों के लिए उदाहरण साबित होगी। सिंगल विंडो प्रणाली से उद्यामियों को सहुलियत होगी।

उन्होंने कार्यशाला के आयोजन के लिए अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं दी। श्री सिंह ने आश्वस्त किया कि नीति आयोग की ओर से हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। सचिव उद्योग श्री रजत कुमार ने कहा कि छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति से प्रदेश में औद्योगिक वातावरण को बढ़ावा मिलेगा। इस नीति के अंतर्गत औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन से ब्याज अनुदान, राज्य लागत पूंजी अनुदान, स्टाम्प शुल्क छुट, विद्युत शुल्क छुट, प्रोजेक्ट अनुदान, परिवहन अनुदान के प्रावधान किए गए है। सीएसआईडीसी के प्रबंध संचालक श्री विश्वेस कुमार ने भी कार्यशाला को संबोधित किया। कार्यशाला के दौरान सवाल-जवाब के दौरान जिज्ञासा का समाधान किया गया।

समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन की व्यवस्था पर रखी जा रही है कड़ी निगरानी

किसानों को टोकन आवेदन के लिए दोहरी सुविधा

समिति में ऑपरेटर के माध्यम से भी टोकन आवेदन कर सकते हैं किसान

किसानों से क्रय धान के भुगतान के लिए 6728 करोड़ रूपए जारी

विशेष परिस्थिति में किसानों के बारदानों का उपयोग और प्रति बारदाना 25 रूपए का भुगतान

रायपुर, 06 दिसंबर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप राज्य में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की व्यवस्था को सुचारू रूप से बनाए रखने के लिए किसानों को टोकन जारी करने से लेकर बारदाना की व्यवस्था, धान का उपार्जन एवं भुगतान, केन्द्रों में खरीदे गए धान का उठाव पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। किसानों को धान विक्रय हेतु टोकन आवेदन करने के लिए समिति माड्यूल एवं टोकन तुंहर हाथ एप की सुविधा दी गई है। टोकन आवेदन करने में दिक्कत होने पर किसान समिति में ऑपरेटर के माध्यम से टोकन आवेदन कर सकते हैं। केन्द्रों में धान उपार्जन के लिए 72,194 गठान बारदाने उपलब्ध है। विशेष परिस्थिति में किसानों के बारदानों का उपयोग और 25 रूपया प्रति नग बारदाना भुगतान के लिए अपेक्स बैंक को 11 करोड़ 23 लाख रूपए भी दे दिए गए हैं।

गौरतलब है कि राज्य में 14 नवंबर से किसानों से समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन किया जा रहा है। 5 दिसम्बर तक 2739 उपार्जन केन्द्रों में कुल 29.22 लाख मेट्रिक टन धान का उपार्जन किया जा चुका है। प्रदेश में कुल पंजीकृत 27.78 लाख कृषकों में से अब तक 6 लाख 15 हजार किसानों ने समर्थन मूल्य में धान का विक्रय किया है। उपार्जित धान की राशि संबंधित कृषकों के खाते में नियमित रूप से अंतरित की जा रही है। विपणन संघ द्वारा 6727 करोड़ 93 लाख रूपए अपेक्स बैंक को उपार्जित धान के समर्थन मूल्य के रूप में अंतरित की जा चुकी है। किसानों की सुविधा की दृष्टिकोण से उपार्जन केन्द्रों में अपेक्स बैंक द्वारा माइक्रो एटीएम की व्यवस्था भी की गई है।

उपार्जन केन्द्रों में धान विक्रय हेतु किसानों द्वारा टोकन आवेदन समिति माड्यूल एवं टोकन तुहर हाथ एप्प के माध्यम से किये जाने की सुविधा प्रदाय की गई है। कुल टोकन आवेदन का 40 प्रतिशत समिति माड्यूल एवं 60 प्रतिशत एप्प के माध्यम से आरक्षित किया गया है। जिन कृषकों को एप्प के माध्यम से टोकन आवेदन करने में कठिनाई हो रही हो, वे समिति में आपरेटर के माध्यम से टोकन आवेदन करा सकते हैं। किसानों द्वारा आवेदन के दौरान आवश्यक प्रविष्टि करने के उपरांत आवेदन की तारीख से लेकर

धमतरी से कोंडागांव तक नई रेल लाइन के सर्वे को मिली मंजूरी

रावघाट-जगदलपुर ट्रैक को लेकर भी आया अपडेट

रायपुर/कांकेर, 06 दिसम्बर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में रेल कनेक्टीविटी बढ़ाने पर लगातार काम हो रहा है। इस बीच छत्तीसगढ़ में एक नई रेलवे लाइन के लिए सर्वे को मंजूरी मिल गई है। धमतरी से कोंडागांव तक 183.19 किमी नई रेलवे लाइन के लिए रेल मंत्रालय द्वारा सर्वे को मंजूरी दी गई है। बुधवार को केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक सवाल के जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने रावघाट परियोजना पर भी लेटेस्ट अपडेट साझा किया।

दरअसल कांकेर सांसद भोजराज नाग ने लोकसभा में प्रश्न रखा कि क्या धमतरी रेलवे लाइन को कांकेर शहर से छत्तीसगढ़ के जादलपुर तक विस्तारित करने का कोई प्रस्ताव है, यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है? सांसद भोजराज नाग के सवाल पर केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अपना जवाब सदन में रखा। इस दौरान उन्होंने बताया कि रेल मंत्रालय द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के कांकेर जिले में रेल कनेक्टिविटी में सुधार लाने के लिए कदम उठाए हैं। इसके तहत, दल्लीराजहरा-रावघाट-जगदलपुर रेल लाइन परियोजना (कुल लंबाई 235 किमी) को दो चरणों में क्रियान्वित किया जा रहा है।

रावघाट परियोजना 77 किमी पूरा

केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि दल्लीराजहरा से रावघाट 95 किमी का प्रथम चरण पूर्णता की ओर है। इस चरण में दल्लीराजहरा से ताडोकी तक 77 किमी तक की लाइन चालू कर दी गई है। इस परियोजना पर 31 मार्च 2024 तक कुल ?1,028 करोड़ का व्यय किया जा चुका है। इसी प्रकार रावघाट से जगदलपुर 140 किमी तक रेलवे लाइन दूसरे चरण में बिछाई जानी है। इसके लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली गई है।

खास खबर

हॉस्पिटल में मरीज को ब्लड चढ़ाने में देरी, एक कॉल में समस्या हुई दूर

रायपुर 06 दिसंबर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में रायपुर जिला प्रशासन द्वारा एक फोन कॉल पर समस्या का निराकरण हो रहा है। रिम्स हॉस्पिटल में भर्ती मरीज त्रिलोकी वर्मा के भतीजे हेमराज वर्मा ने कलेक्टोरेट के जनसमस्या निवारण कॉल सेंटर में किया। श्री वर्मा ने कॉल सेंटर में फोन कर जानकारी दी कि उनके चाचा रिम्स हॉस्पिटल में एडमिट हैं, उन्हें ब्लड चढ़ाने के लिए देरी की जा रही थी और अस्पताल प्रबंधन द्वारा भी रिस्पांस नहीं दिया जा रहा था। जिसके बाद श्री वर्मा ने कॉल सेंटर में कॉल कर पूरे मामले की जानकारी दी। इसके बाद तत्काल कार्रवाई प्रारंभ करते हुए अस्पताल प्रबंधन से मदद कराई गई और उन्हें तत्काल ब्लड चढ़ाया गया। समस्या का निराकरण होने पर मरीज के परिजन ने संतुष्टि जताई।

नवीन आईटीआई भवन सह पुस्तकालय भवन निर्माण कार्य के लिए निविदा आमंत्रित

मोहला, 06 दिसम्बर (आरएनएस)। जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में नवीन आईटीआई भवन सह पुस्तकालय भवन निर्माण कार्य के लिए मैनुअल निविदा आमंत्रित किया गया है। जिला कार्यालय कलेक्टर से निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि 11 दिसंबर शाम 5:00 बजे तक निर्धारित किया गया है। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 12 दिसंबर समय 5:00 बजे तक निर्धारित किया गया है। निविदा लिफाफा खोले जाने की तिथि 13 दिसंबर सुबह 11:30 बजे निर्धारित किया गया है। निर्माण कार्य के लिए अनुमानित लागत 2 करोड़ 46 लाख रुपए निर्धारित किया गया है। उक्त निविदा के लिए अमानत राशि 246000 रूपये, निविदा प्रपत्र का निर्धारित मूल्य 1500 रूपये, निर्माण कार्य को पूर्ण करने की निर्धारित समयावधि 24 माह वर्षा ऋतु सहित निर्धारित किया गया है। ठेकेदार को बी श्रेणी या इससे अधिक की श्रेणी का होना आवश्यक है। निविदा से संबंधित जानकारी जिले की वेबसाइट - का अवलोकन किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने देवेंद्र फड़णवीस को दी महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर हार्दिक बधाई

रायपुर, 06 दिसंबर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर देवेंद्र फड़णवीस को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने इसके साथ ही उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजीत पवार को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस तथा उपमुख्यमंत्री द्वय एकनाथ शिंदे और अजीत पवार के दूरदर्शी नेतृत्व में महाराष्ट्र की विकास यात्रा अनवरत जारी रहेगी। डबल इंजन की सरकार दोगुनी ऊर्जा से महाराष्ट्र की प्रगति को नई ऊंचाई पर ले कर जाएगी।

शिक्षा बजट में कटौती और रोजगार को लेकर एनएसयूआई कार्यकर्ता गिरफ्तार

रायपुर। अमित शर्मा ने कहा, हमने संसद घेरी है, जवाब तो आपको देना होगा मोदी जी। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं पुलिस को भेजकर हमें रोकना चाहा, हम रुकने वाले नहीं हैं। हमने पूछा है कि देश के बच्चों को महंगी शिक्षा जानबूझकर क्यों की जा रही है ? शिक्षा बजट में कटौती क्यों हो गई है ? आरक्षण नीति का पालन क्यों नहीं हो रहा ? पेपर लीक क्यों हो रहे हैं ? सरकारी पदों पर भर्ती क्यों नहीं हो रही है ? अग्निपथ स्कीम से फौज से कब तक हटाया जाएगा ? मणिपुर क्यों जल रहा है ? चुप नहीं बैठेगी, जनता से जुड़े इन सवालों का जवाब तो आपको देना होगा>

सीएम के हाथों टीआई विनय परमार को मिला सायबर कॉप आफ द ईयर सम्मान

राजनांदगांव-रायपुर, 06 दिसंबर (आरएनएस)। पुलिस मुख्यालय नवा रायपुर में दिनांक 04.12.2024 को नवीन सायबर भवन उद्घाटन समारोह कार्यक्रम के दौरान मुख्यामंत्री छत्तीसगढ़ शासन विष्णुदेव साय द्वारा वर्ष 2024 में सायबर अपराध में उत्कृष्ट विवेचना एवं सायबर पखवाड़ा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सायबर वॉलिंटियर्स विनय साहू को सर्टिफिक्रेट/मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। ज्ञात हो कि पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव मोहित गर्ग के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) मुकेश ठाकुर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन में प्रभारी सायबर सेल निरीक्षक विनय कुमार पम्मार द्वारा - (1) थाना बसंतपुर के अप.क. 265/24 धारा 318(4), 3(5) बी.एन.एस., 66 (डी) आई.टी. एक्ट (ए.पी.के. एप्प के माध्यम से ट्रीडींग एप्लीकेशन इन्सटाल करवाकर 3,41,00,000/- रूपये की ऑनलाईन ठगी) मामले में उत्कृष्ठ विवेचना कर प्रकरण में आरोपी पतातलाश कर दिनांक 10.09.2024 को आरोपी सहल शाह पिता सहूल हमीद, उम्र 25 साल को केरल से गिरफ्तार किया गया। (2) प्रभारी सायबर सेल निरीक्षक विनय पम्मार द्वारा थाना घुमका में पदस्थापना के दौरान थाना घुमका के अप.क. 25/24 धारा 306, 384, 34 भा.दं.वि. (सेक्सटार्शन के प्रकरण में ऑनलाईन ठगी करने से 26 वर्षीय युवक आत्महत्या कर लिया था) मामले में उत्कृष्ठ विवेचना कर अपराध में

शामिल खाता उपलब्ध कराने वाले आरोपी विक्की तनवर, अनीश खान, इरशाद खान को राजस्थान, हरियाणा से दिनांक 21.02.2024 को एवं विवेक निर्मश को उत्तरप्रदेश-राजस्थान सीमा से तथा फर्जी सीम उपलब्ध कराने वाले आरोपी विवेक अहिरवार एवं बिजेन्द्र यादव को अशोक नगर जिला शढ़ौरा से दिनांक 24.02.20244 को गिरफ्तार किया गया। साथ ही जिले के अन्य सायबर मामलों में उत्कृष्ठ कार्य करने के फ्लस्वरूप प्रभारी सायबर सेल निरीक्षक विनय कुमार पम्मार को मुख्यमंत्री द्वारा ''सायबर कॉप ऑफ द ईयर'' सर्टिफिक्रेट/मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

छत्तीसगढ़ में अब तक 29.22 लाख मीट्रिक टन धान की हुई खरीदी

शिकायत एवं निवारण के लिए हेल्प लाइन नंबर 0771-2425463

रायपुर, 06 दिसंबर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में प्रदेश के किसानों से सुगमता पूर्वक धान की खरीदी की जा रही है। छत्तीसगढ़ में धान 14 नवम्बर से शुरू हुए धान खरीदी का सिलसिला अनवरत रूप से जारी है। राज्य में 14 नवम्बर से अब तक 29.22 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हो चुकी है। राज्य में अब तक 6.15 लाख किसानों ने अपना धान बेचा है। धान खरीदी के एवज में इन किसानों को बैंक लिकिंग व्यवस्था के तहत 6727 करोड़ 93 लाख रूपए का भुगतान किया गया है। धान खरीदी का यह अभियान 31 जनवरी 2025 तक चलेगी। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने आज यहां बताया कि इस खरीफवर्ष के लिए 27.68 लाख किसानों द्वारा पंजीयन कराया गया है। इसमें 1.45 लाख नए किसान शामिल है। इस वर्ष 2739 उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से 160 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी अनुमानित है। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आज 5 दिसम्बर को 65663 किसानों से 2.98 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी की गई है। इसके लिए 70692 टोकन जारी किए गए थे। आगामी दिवस के लिए 76378 टोकन जारी किए गए हैं। राज्य सरकार धान उपार्जन केन्द्रों में शिकायत एवं निवारण के लिये हेल्प लाइन नंबर जारी किए है, जिसका नं. 0771-2425463 है। धान बेचने वाले कोई भी किसान इस हेल्पलाईन नम्बर पर फोन कर अपनी समस्यओं का समाधान कर सकते है।

नगरीय प्रशासन विभाग ने निर्माण कार्यों के लिए मंजूर किए तीन करोड़ से अधिक की राशि

रायपुर । राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने सूरजपुर नगर पालिका में विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए तीन करोड़ एक लाख 80 हजार रुपए स्वीकृत किए हैं। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने अधोसंरचना विकास के 45 कार्यों के लिए राशि मंजूरी का आदेश जारी किया है। इनमें सूरजपुर नगर पालिका के विभिन्न वार्डों में सीसी रोड निर्माण के 28, नाली निर्माण के 12, सीसी रोड बाइडिंग के दो तथा योगा शेड निर्माण, रिटेनिंग वाल निर्माण एवं फ्लड लाइट स्थापना के एक-एक कार्य शामिल हैं। नगरीय प्रशासन विभाग ने सूरजपुर नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में अधोसंरचना मद से तीन करोड़ एक लाख 80 हजार रुपए का यह अनुदान स्वीकृत किया है। विभाग ने सीसी रोड निर्माण के 28 कार्यों के लिए एक करोड़ 55 लाख 64 हजार रुपए, नाली निर्माण के 12 कार्यों के लिए 83 लाख 42 हजार रुपए और सीसी रोड बाइडिंग के दो कार्यों के लिए 15 लाख तीन हजार रुपए मंजूर किए हैं। सूरजपुर नगर पालिका के वार्ड क्रमांक-4, कृष्ण कुंज में योगा शेड निर्माण के लिए 11 लाख 59 हजार रुपए और कृष्ण कुंज मार्ग में रिटेनिंग वाल के निर्माण के लिए 22 लाख 71 हजार रुपए स्वीकृत किए गए हैं।

सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए कोचिंग के लिए आवेदन 23 तक

धमतरी-रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी जिला विलासपुर में कराने हेतु निजी कोचिंग संस्थाओं के माध्यम से राज्य के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के पात्र अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किया गया है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग ने बताया कि परीक्षा में सम्मिलित होने वाले इच्छुक अभ्यर्थी आगामी 23 दिसम्बर तक संभाग मुख्यालय, रायपुर के सहायक आयुक्त. आदिवासी जिला-रायपुर में आवेदन जमा कर सकते है। आवेदन पत्र प्रारूप एवं इससे संबंधित विस्तृत जानकारी विभागीय वेबसाईट से डाउनलोड कर प्राप्त कर सकते है। परीक्षा से संबंधित जानकारी जैसे पात्र अभ्यर्थी, परीक्षा केन्द्र, परीक्षा परिणाम आदि सूचना विभागीय वेबसाईट से प्राप्त कर सकेंगे।

मौदहापारा के तीन बदमाशों को आर्म्स एक्ट में किया गया गिरफ्तार

रायपुर, 06 दिसंबर (आरएनएस)। राजधानी रायपुर की मौदहापारा थाना पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से बदमाशों को अवैध रूप से हथियार लेकर घूमने के आरोप में गिरफ्तार धारा- 25,27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही की है।

बता दें कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह के दिशा निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर लखन पटले तथा नगर पुलिस अधीक्षक योगेश साहू के पर्यवेक्षण मे अपराधो पर अकुंश लगाने हेतू चलाए जा रहे हैं अभियान के तहत थाना मौदहापारा पुलिस ने क्षेत्र के तीन बदमाशों को धारदार चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरूवार को सूचना मिलने पर थाना प्रभारी निरीक्षक यामन देवांगन के नेतृत्व में क्षेत्र के तीन बदमाश संजय गुप्ता,नईम खान और शाहबाज अली को अलग-अलग जगहों से धारदार चाकू के साथ हिरासत में लिया तथा उनकी तलाशी लेने पर उनके कब्जे से धारदार चाकू मिलने पर आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

मामले में पुलिस ने संजय गुप्ता पिता मुन्ना लाल गुप्ता उम्र 40 वर्ष साकिन जोरापारा थाना मौदहापारा, नईम खान उर्फबाबू पिता जमील खान उम्र 25 वर्ष सकीन दरगाह वाली गली मौदहापारा तथा शाहबाज अली पिता हबीद अली, 20 वर्ष सकीन गली नंबर 2 मौदहापारा को गिरफ्तार किया है।

बालिकाओं को सशक्त बनाने की पहल: कवर्धा में रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

प्रशिक्षक, संस्था समूह से 11 दिसम्बर तक आवेदन आमंत्रित

कवर्धा, 06 दिसम्बर (आरएनएस)। बालिकाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, जिले के सभी माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा छत्तीसगढ़, रायपुर के निर्देशानुसार, यह कार्यक्रम चारों विकासखंडों बोड़ला, कवर्धा, पंडरिया, और सहसपुर लोहाराकृमें संचालित विद्यालयों में लागू किया जाएगा। प्रशिक्षक, संस्था समूह से 11 दिसम्बर तक आवेदन आमंत्रित किया गया है।

जिला मिशन समन्वयक नकुल प्रसाद पनागर ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत बालिकाओं को 30 दिनों तक प्रतिदिन एक घंटे का प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण विद्यालय प्रारंभ होने से पहले या समाप्ति के बाद आयोजित किया जाएगा। इसका उद्देश्य बालिकाओं को आत्मरक्षा के लिए जरूरी कौशल और आत्मविश्वास प्रदान करना है, ताकि वे किसी भी प्रतिकूल परिस्थिति का सामना कर सकें।कार्यक्रम के लिए योग्य और कुशल प्रशिक्षकों का चयन सुनिश्चित करने हेतु, कलेक्टर गोपाल वर्मा की अध्यक्षता में एक जिला स्तरीय चयन समिति का गठन किया गया है। यह समिति प्रशिक्षकों का चयन उनकी दक्षता और अनुभव के आधार पर करेगी। चयनित प्रशिक्षक जिले के विभिन्न विद्यालयों में जाकर छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाएंगे। इसके लिए आवेदन आमंत्रित किए गए है।यह प्रशिक्षण न केवल छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाएगा, बल्कि उनमें साहस, आत्मविश्वास और सुरक्षा की भावना को भी बढ़ावा देगा। रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा कार्यक्रम बालिकाओं को यह संदेश देता है

छत्तीसगढ़ में हुआ राष्ट्रीय परख सर्वेक्षण,81 हजार से अधिक छात्रों की दक्षताओं का हुआ समग्र मूल्यांकन

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर केन्द्र शासन द्वारा प्रस्तावित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 छत्तीसगढ़ में भी लागू किया जा चुका है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत देश भर में एक साथ राष्ट्रीय परख सर्वेक्षण 2024 का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय परख सर्वेक्षण 2024 में कक्षा तीसरी, छठवीं और नवमी की 3409 स्कूल से 81 हजार 179 विद्यार्थियों की दक्षताओं का समग्र मूल्यांकन किया गया। इस परख सर्वेक्षण का उद्देश्य छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन के साथ-साथ शिक्षकों, स्कूलों और पूरी शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता का आकलन करना है। यह सर्वेक्षण राष्ट्रीय शिक्षा नीति

2020 के लक्ष्यों के अनुरूप छात्रों की बुनियादी और मध्य स्तर की क्षमताओं का आकलन करता है। प्राप्त परिणामों के आधार पर राष्ट्रीय स्तर पर राज्यों की शैक्षणिक गुणवत्ता की रैंकिंग की जाएगी। छत्तीसगढ़ में किए गए सर्वेक्षण में कक्षा तीसरी के 1199 स्कूलों का सर्वेक्षण किया गया, जिसमें कुल 24 हजार 379 विद्यार्थी शामिल हुए। इसी प्रकार कक्षा छठवीं के 1065 स्कूल से 25 हजार 665 विद्यार्थी और कक्षा नवमी के 1145 स्कूल से 31 हजार 135 विद्यार्थी शामिल हुए। इस प्रकार कुल 3409 स्कूलों से कुल 81 हजार 179 विद्यार्थी परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 में शामिल हुए। गौरतलब है कि इस बार परख (क्क्रक्र॥- प्रदर्शन मूल्यांकन, समीक्षा एवं समग्र विकास के लिए ज्ञान का विश्लेषण) नाम दिया गया। इस सर्वेक्षण का उद्देश्य बच्चों के समग्र शैक्षणिक प्रदर्शन का मूल्यांकन करना और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत छात्रों के मूल्यांकन से संबंधित मापदंड स्थापित करना है। इस बार सर्वेक्षण कक्षा तीसरी, छठवीं और नवमी के छात्रों पर केंद्रित रहा, जो उनके पिछले कक्षाओं में अर्जित दक्षताओं पर आधारित था। परीक्षा में प्रश्न ओएमआर शीट के माध्यम से बहुविकल्पीय प्रारूप में रखा गया था।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। **संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।**
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily **कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल** (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)